उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-47)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 25 दिसंबर, 2023

इस बार भव्य होगा बिठूर महोत्सव | हैलट अस्पताल के सुरक्षा गार्ड ने जड़ा टैक्नीशियन को थप्पड़ | सलमान खान का स्वैग है बेमिसाल!

गरीबों समेत 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है पीएम मोदी का लक्ष्य : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं और उन्होंने इसके लिए समर्पण के साथ काम किया है। शाह यहां 'पीएम स्वनिधि' योजना के लाभार्थियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह

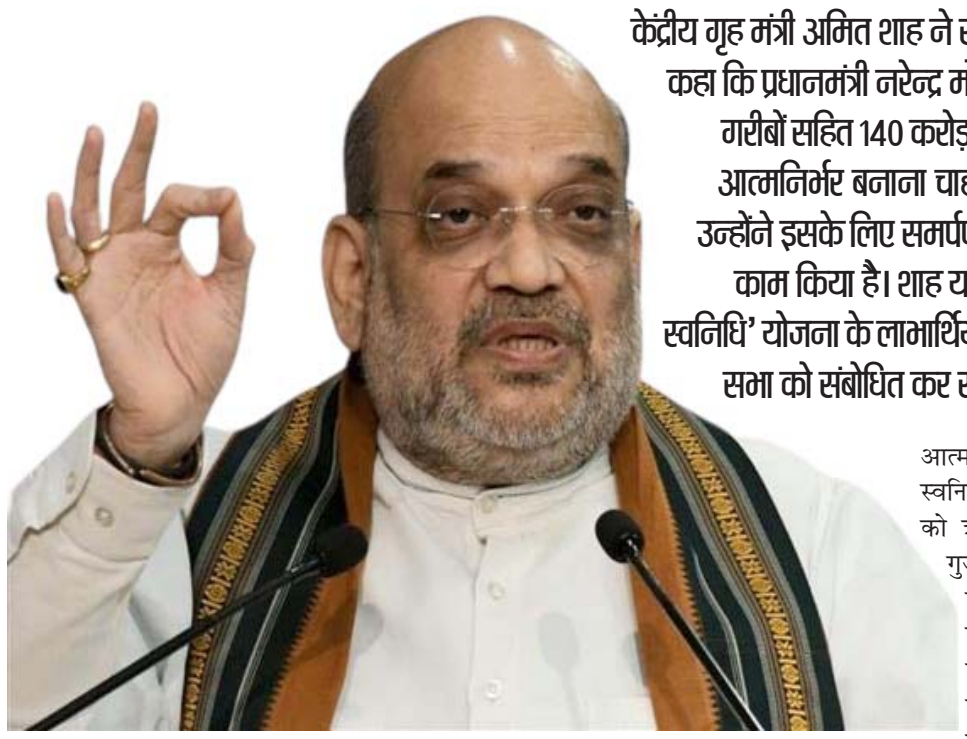

अहमदाबाद। शाह यहां 'पीएम स्वनिधि' योजना के लाभार्थियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह योजना रेहड़ी-पटरी वालों को आसान ऋण दिलाने में मदद करती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तथा साथ ही उनका लक्ष्य गरीब लोगों को भी आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में गरीब लोगों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। प्रधानमंत्री 'स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि' (पीएम-स्वनिधि योजना) के लाभार्थियों को ऋण देने के कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद थे। इन रास्तों पर जानें से बचेंशाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया है और वह देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा, सभी प्रकार के व्यवसायों तथा अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी सभी गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास के अलावा, प्रधानमंत्री ने 60 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम किया है।

शाह ने कहा, ''पिछले नौ वर्षों में, लगभग तीन करोड़ लोगों को अपना घर मिला, चार करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन मिला, 10 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर मिले, 12 करोड़ लोगों को शौचालय मिले, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिला और 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा (योजना) में शामिल किया गया है।'' उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को गरीबी से बाहर लाने के लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

गृह मंत्री ने कहा, मेरे निर्वाचन क्षेत्र (गुजरात में गांधीनगर) में 1.5 लाख से अधिक लोगों ने पीएम-स्वनिधि योजना का लाभ उठाया है, जिसके तहत बिना किसी गारंटी के छोटे व्यवसाय और हाथ गाड़ियां चलाने वालों को वित्तीय सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू की गई योजनाओं के परिणामस्वरूप देश में गरीब लोग अब आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं। शाह अपने निर्वाचन क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उनका विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का कार्यक्रम है।

फैसले के खिलाफ कानूनी दांव खेलने की तैयारी में निलंबित खेमा, महज 60 घंटे ही पद पर रहे संजय सिंह

लखनऊ। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को खेल मंत्रालय ने निलंबित कर दिया है। ऐसे में अब निलंबित खेमा कानूनी दांव खेलने की तैयारी कर रहा है। निलंबित डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह की लीगल टीम कानूनी रास्ता तलाश करने में जुट गई है। ऐसे में खेल मंत्रालय के फैसले के खिलाफ वह कोर्ट जाने की तैयारी में हैं।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर महिला खिलाड़ियों ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। वहीं सांसद ने आरोपों का खंडन किया था। ऐसे में नए सिरे से डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पद पर बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह ने चुनाव लड़ा तो राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने इसका विरोध किया। साक्षी मलिक ने तो संजय सिंह के चुनाव जीतने के बाद संन्यास लेने की घोषणा भी कर दी ।सांसद बृजभूषण शरण के करीबी संजय सिंह ने चुनाव जीतने के बाद नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप 28 दिसंबर से जिले के नवाबगंज के नंदिनीनगर में कराने का ऐलान किया था। इस संबंध में शनिवार को साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पर बेबसी भी जाहिर की थी। ऐसे में रविवार सुबह खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबन की घोषणा कर दी है ऐसे में अब निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह कोर्ट जाने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा है कि खेल मंत्रालय के फैसले के विरुद्ध वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उनकी लीगल टीम ने इस दिशा में कार्य करना शुरू कर दिया है। वहीं, भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हुए और संस्था का गठन किया गया। अब यह महासंघ का निर्णय होगा कि वह सरकार से बात करना चाहते हैं या कानूनी कदम उठाना चाहते हैं।

श्रद्धा के सैलाब में दर्दनाक हादसा: बांके बिहारी के दर्शन को आईं दो महिलाओं की मौत

मथुरा । वृंदावन के श्री ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन को आईं दो महिला श्रद्धालुओं की रविवार को मंदिर के रास्ते में मौत हो गई। एक महिला जबलपुर (मप्र) और दूसरी सीतापुर (उप्र) की रहने वाली थी। दोनों महिलाएं भीड़ के दबाव में अपने परिजनों से बिछड़ गई थीं। तबियत बिगड़ने से मौत होने की पुष्टि पुलिस द्वारा की गई है। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव लेकर चले गए। वहीं, चार लाख से अधिक श्रद्धालु बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे। पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई ।एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय पुलिस द्वारा की गई पुष्टि के अनुसार बीना गुप्ता (70) पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता निवासी गंज बाजार, महोली, सीतापुर, जो कि अपनी पड़ोसन शिवानी व अन्य परिजनों के साथ वृंदावन में श्रीबांके के दर्शन को आई थीं। रविवार सुबह 11.30 बजे करीब वह मंदिर में दर्शन को निकली थीं। तभी वह भीड़ के चलते अपने परिजनों बिछड़ गईं। पड़ोसन शिवानी उनके साथ थीं। हरि निकुंज चौराहा के पास चलते-चलते उनकी तबीयत बिगड़ी और अचेत हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें सौ शैय्या अस्पताल में लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरी मौत 1.30 बजे करीब जयपुरिया धर्मशाला के पास हुई। मंजू मिश्रा (58) पत्नी भोलेनाथ मिश्रा निवासी अधारताल, जबलपुर, मध्य प्रदेश व छह परिजनों के साथ दर्शन कर लौट रही थीं। तभी वह भीड़ के चलते बिछड़ गईं। बेटी रागिनी उनके साथ थी। अन्य परिजनों के इंतजार में मंजू मिश्रा धर्मशाला के पास ही बैठ गईं। तभी उनकी तबीयत बिगड़ी और अचेत हो गई। पुलिस रामकिशन मिशन अस्पताल लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों मृत घोषित कर दी गईं।

संपादकीय

फिर वही कोरोना

अभी कुछ समय तक हम सुनते आ रहे थे कि चीन, मलेशिया, सिंगापुर व इंडोनेशिया आदि देशों में कोरोना के नये वायरस का संक्रमण पाया गया है। लेकिन अब जब इस वायरस ने देश के कुछ राज्यों में दस्तक दे दी है तो देशवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक है। यह दुखद संयोग ही है कि एक बार फिर केरल में नये कोरोना वायरस जेएन.1 के सौ से अधिक मामले प्रकाश में आए हैं। कुछ मौतों की भी बात कही जा रही है। वहीं केरल सरकार का कहना है कि वहां चिकित्सा तंत्र सक्रिय व जवाबदेह है और सावधानी से जांच-पड़ताल में संक्रमण के मामले उजागर हुए हैं। एक जीनोम सीक्वेंसिंग से नये वायरस की पहचान हो सकी है। निस्संदेह, ऐसी सक्रियता व सजगता देश के हर राज्य में जरूरी है। दरअसल, पिछली कोरोना लहर में देश व विदेश में जहां संक्रमण की जांच में सतर्कता व तेजी बरती गई, वहां कोरोना के ज्यादा मामले प्रकाश में आए। जाहिर बात है जहां जांच के प्रति गंभीरता नहीं होती, वहां कोरोना संक्रमण के मामले भी कम दर्ज होते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि कोराना के विषाणु को सदा के लिये समाप्त नहीं किया जा सकता। उर्वरा परिस्थितियों में वह अपना रूप बदलकर सामने आ जाता है। ऐसे में यदि हम साफ-सफाई के साथ सावधानी से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करेंगे तो संक्रमण से सुरक्षित रह सकेंगे। विडंबना यह है कि लोगों ने मान लिया कि कोरोना वायरस सदा-सदा के लिये देश से चला गया। उसके बाद तमाम लापरवाही हम बरतने लगे हैं। दरअसल, 2019 में जब कोरोना वायरस पहली-पहली बार फैला था तो यही सर्दियों का मौसम था। आमतौर पर लोग वैसे भी इस मौसम परिवर्तन के दौरान सर्दी-जुकाम से पीड़ित होते हैं। लेकिन यदि हम खानपान से लेकर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं तो अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। जो हमें वायरस से मुकाबले की ताकत देगी।बहरहाल, हमें यहां ध्यान रखना चाहिए कि दो बड़ी कोरोना लहरों के दौरान देश ने बड़ी कीमत चुकाई। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनों को खोया। लॉकडाउन के कारण रोजगार ठप हुए और लाखों लोगों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा। विश्वास है कि हमें उस दुःस्वप्न को दोबारा नहीं देखना पड़ेगा। अच्छी बात है कि नये संक्रमण की दस्तक के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सक्रियता दिखायी है। केंद्र ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी करके कोविड प्रोटोकॉल को गंभीरता से लेते हुए जरूरी कदम उठाने को कहा है। विडंबना है कि कई राज्यों में ऑक्सीजन प्लांट्स देखरेख के अभाव में ठप पड़े देखे गये। विडंबना है कि हमारे तंत्र की लापरवाही के चलते आग लगने पर कुंआ खोदने की आदत अभी तक गई नहीं है। बहरहाल, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस वायरस की घातकता को लेकर निश्चिंत हैं कि यह ज्यादा हानिकारक नहीं है, लेकिन इसके बावजूद सतर्क व सावधान रहने की तो जरूरत है ही। वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी आबादी को टीकाकरण के चलते सुरक्षा कवच मिला हुआ है। अब देखना यह है कि यह टीकाकरण नये वायरस के मामले में कितना कारगर होता है। यह भी कि क्या अभी तक टीकाकरण से मिली इम्युनिटी बरकरार है।

अपने अंतर्विरोधों से ही जूझता 'इंडिया' गठबंधन

भले ही ममता बनर्जी ने साल के अंत तक सीट बंटवारा पूरा करने पर जोर दिया लेकिन खुद उनकी ओर से ऐसा संकेत नहीं मिला कि वे अपने सूबे में तृणमूल-कांग्रेस-वामदलों के साथ बृहद गठजोड़ बनाने को तैयार हैं। जिस प्रकार वास्तविक धरातल पर दलों के बीच आपसी मनमुटाव बरकरार है, लगता नहीं कि साझा मोर्चे वाला यह विचार आगे बढ़ पाएगा। महाराष्ट्र में, जहां उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को अपने-अपने गढ़ों का भली भांति पता है, कांग्रेस असमंजस में है कि जरूरत पड़ने पर कहां से अपना मजबूत प्रत्याशी दे पाएगी।'इंडिया' गठबंधन के समक्ष दुश्वारियों के केंद्र में कांग्रेस द्वारा खुद को एक ऐसा सर्वमान्य अग्रणी की भूमिका में न ढाल सकना है, जो विभिन्न विचारधारा वालों को बांधकर रख सके, जिनकी अपनी अलग महत्वाकांक्षा और जो अलग-अलग तूती बजा रहे हैं। गठबंधन की बैठक में शामिल दलों में हर कोई साझा एजेंडा और संयुक्त सभाएं करने की जरूरत पर एकमत था, जिसकी प्राप्ति संभव भी है, लेकिन सवाल फिर वही है = 'इंडिया' गठबंधन का अगुवा कौन?

गिलास आधा भरा है या खाली, यह देखने वाले के सकारात्मक या नकारात्मक नज़रिए पर निर्भर है। जून महीने में अपनी शुरुआत के साथ 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्कलुसिव अलायंस' (इंडिया) नामक गठबंधन, जिसमें 28 दल हैं, उसकी चाहत है कि 2024 के आम चुनाव में भाजपा से लड़ने को एक संयुक्त मोर्चा बनाने में जितना संभव हो, अधिक से अधिक विपक्षी दलों को साथ जोड़ा जाए। इस गुट की स्थापना करने में, कांग्रेस का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियों का, यह एक तरह से गांधी परिवार की स्वीकारोक्ति है कि उसकी राजनीतिक विरासत अपने बूते पर भाजपा से मुकाबला करने लायक नहीं रही।'इंडिया' गठबंधन की बैठकों की श्रृंखला से भी यह सिद्ध होता है कि कांग्रेस का रुतबा बाकियों से ऊपर न होकर, बराबरी का है।आदर्श रूप में, हालिया घटनाएं इस किस्म के गठबंधन की जरूरत को और गहराई से रेखांकित करती हैं खासकर कांग्रेस के लिए, क्योंकि पटना में 'इंडिया' गठजोड़ के पहले सम्मेलन से जो अनुकूल माहौल बना था, वह आगे चलकर फीका होता गया। इससे सात महीने पहले, राहुल गांधी की व्यापक 'भारत जोड़ो यात्रा' पूरा होने के बाद भी कुछ आस बंधी थी। जो आमतौर पर लोगों के बीच उनकी छवि एक अनिच्छुक और अनाड़ी राजनेता होने को बदलने में कुछ हद तक सहायक हुई। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रभावशाली जीत भी हासिल की और जनता दल (सेक्युलर) को खत्म कर डाला, जिससे उसने 'राजग' की शरण लेनी चाही है।वर्ष 2023 का साल खत्म होते-होते विपक्ष के लिए परिदृश्य मायूसी में बदल गया। भाजपा ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कांग्रेस के साथ सीधी टक्कर में एकतरफा जीत हासिल कर ली। इस क्षेत्र में अब कांग्रेसी विधायकों का वजूद यहां-वहां है। संसद में चल रहे वर्तमान शीतकालीन सत्र में, भाजपा ने 2024 में सत्ता-वापसी के कयासों के बीच, अपनी लगभग-आधिपत्य वाली स्थिति को पुनः सुदृढ़ किया है। संसद की सुरक्षा में लगी हालिया सेंध पर विपक्ष द्वारा सरकार से सदन के भीतर वक्तव्य की मांग की भाजपा ने जरा परवाह नहीं की। न केवल सरकार ने सदन में हंगामा करने वालों को पास मुहैया करवाने वाले सांसदों को उत्तरदायी ठहराने के सुझाव को खारिज किया बल्कि बिना बहस करवाए वह कानून भी पारित करवा लिए जिनका डाटा सुरक्षा और आपराधिक न्याय प्रणाली पर दूरगामी असर होगा। विपक्षी सांसदों का थोक में निलम्बन किए जाने के बाद, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों की उपस्थिति शेष सत्र में नगण्य हो गई है। दोनों सदनों का यह परिदृश्य आरएसएस की लंबे समय से पाली आकांक्षा की परिणति है, जिसके तहत वह चाहती है कि केंद्र में एक धाकड़ सरकार हो और राज्य सरकारें उपग्रह की हैसियत से परिक्रमा करती रहें।ऐसे हालात विपक्ष के गठबंधन को फलीभूत करने में कितने पूर्व-संकेतक हैं? 19 दिसम्बर को 'इंडिया' गुट के घटकों की नई दिल्ली में बैठक हुई, मकसद था, आपसी फूट को लेकर चल रही चर्चाओं का निराकरण किया जाए, जो पिछले सत्रों के बाद और हालिया राज्यों के चुनावों से पहले सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी, जनता दल (युनाइटेड) और राष्ट्रीय लोकदल के बीच खींच-तान से पैदा हुई थीं। बैठक-जिसमें शिव सेना (उद्धव), उत्तर प्रदेश एवं बिहार में मंडल कमीशन नीत राजनीति करने वाली पार्टियां, डीएमके एवं उसके सहयोगी दल और आम आदमी पार्टी शामिल थे- दलों के बीच सहयोग और सर्वसम्मति बनाने को लेकर थी, लेकिन यह हो न पाया। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या प्रतिभागी पूर्व में 'अप्रासंगिक' माने जा चुके मुद्दों को उठाकर अपना नुकसान करने पर आमादा थे या फिर अपने विरोधाभासों को व्यक्त करके बहुत खुश थे।तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और 'आप' के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 'इंडिया' गठबंधन की ओर से बतौर प्रधानमंत्री चेहरा बनाने का सुझाव दिया। लगता है उन्होंने इस मुद्दे पर अपने सिवा किसी अन्य से सलाह नहीं की थी, यह यकीन करते हुए कि वक्त आने पर बाकी सहयोगियों को इस बिंदु पर मना लेंगे कि भाजपा की अन्य पिछड़ा वर्ग वाली रणनीति का तोड़ 'इंडिया' गठबन्धन की ओर से भारत का पहला दलित प्रधानमंत्री देने वाला पत्ता खेलने में है। हालांकि जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार कहते आए हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री पद की लालसा नहीं है, लेकिन विगत में उनके सहयोगियों के बयानों में यह महत्वाकांक्षा बखूबी झलकती है। परंतु प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित करने पर विमर्श आगे नहीं बढ़ पाया, विशेषकर स्वयं खड़गे द्वारा इस सुझाव को तूल न दिए जाने के अनुरोध के बाद, हालांकि कुछ खबरों में उन्हें अपने लिए यह कहते हुए बताया गया कि वे लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं और उनका व्यवहार एक योद्धा सरीखा रहा है, अर्थात? वे ममता-केजरीवाल के सुझाव को खारिज नहीं कर रहे। वहीं उद्धव ठाकरे ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री चुनने का सवाल तब पैदा होता है जब पहले गठबंधन से यथेष्ठ संख्या सांसद चुनकर आएं और फिलहाल 'इंडिया' गुट को जिसकी फौरी जरूरत है, वह है एक ऐसे जोड़ने वाले की जो सबको एकजुट रख सके।इलाकाई कटुता और अंतर-राज्य अस्वीकार्यता को और उभारती कुछ लाल लकीरें भी बैठक में खिंच गईं। जब डीएमके के वरिष्ठ प्रतिनिधि टीआर बालू ने नीतीश के भाषण के अनुवाद की मांग की, इस पर बिहार के मुख्यमंत्री ने यह कहकर झाड़ दिया कि उन्हें हिंदी आनी चाहिए, जो कि 'राष्ट्रीय भाषा' है। मंगलवार को हुई इस बैठक में घटकों के बीच उत्तर-दक्षिण रार बल्कि और अधिक नुमाया हो गई, जबकि खुद प्रधानमंत्री भाजपा पर लगे 'उत्तर भारत की पार्टी' वाले ठप्पे से निजात पाने के लिए तमिलनाडु और केरल को डोरे डालने में निरंतर प्रयासरत हैं। यह साफ हो गया है ङ्क एनडीए या इंडिया ङ्क किसके समक्ष रण में जूझने को अधिक काम है, और जीत के लिए कौन से सुधार किए जाने की जरूरत है।हालांकि बैठक में आम सहमति बनी है कि सीट बंटवारे की प्रक्रिया साल के अंत तक पूरी कर ली जाए, लेकिन हकीकत में चीजें कहां खड़ी हैं? समाजवादी नेता राम गोपाल यादव ने साफ कर दिया कि बहुजन समाज पार्टी को जोड़ने का प्रस्ताव आया तो उनकी पार्टी 'इंडिया' गठबंधन छोड़ देगी।

प्रेस पत्र पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 संसद के दोनों सदनों में पारित

लोकतंत्र की जननी और दुनियां का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत में किसी भी कानून को पारित करने की बहुत ही विस्तृत पेचीदगी व पारदर्शी प्रक्रियाएं बनी हुई है, जिसको पार करने के बाद ही कोई विधेयक पारित होकर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद कानून बनता है। किसी भी विधेयक को कानून बनाने के लिए संसद के उच्च व निचले सदन से पारित करना कोई आसान काम नहीं होता उस पर विस्तृत चर्चा होती है, संशोधन वह सेलेक्ट कमेटी से होते हुए संसद में पेश होता है, इसके पहले लॉ कमीशन जनता जनार्दन के समक्ष उनकी प्रतिक्रियाएं जानने के लिए भी राष्ट्रीय गजट में प्रकाशित होता है। कुल मिलाकर संसद के दोनों सदनों में कोई भी विधेयक पारित कराना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि यह रेखांकित करने वाली बात है के संसद के पिछले कुछ सत्रों से यह परिपाटी चली आ रही है के ध्वनि मत से ही विधेयक पारित हो रहे हैं क्योंकि एक विशेष पार्टी व उनके गठबंधन के सदस्यों की संख्या अधिक होने से विपक्ष कुछ कर सकनें में लाचार है किसी भी विधेयक पर वोटिंग नहीं हुई है वह केवल दिल्ली विधेयक से संबंधित वोटिंग के अलावा अन्य विधेयकों में वोटिंग देखने को नहीं मिली है। ठीक इसी तरह प्रेस व पत्र पत्रिका विधेयक जो राज्यसभा यानें उच्च सदन से पिछले अगस्त में ही पारित कर दिया गया था और अब लोकसभा में दिनांक 21 दिसंबर 2023 को ध्वनि मत से पारित हो गया है, अब राष्ट्रपति महोदया के हस्ताक्षर के बाद कानून बन जाएगा जिससे प्रेस की आजादी और कारोबार करने में सुगमता के नए ऐतिहासिक युग की शुरुआत होगी। चूंकि संसद के दोनों सदनों में प्रेस और पुस्तिका पंजीकरण विधेयक अधिनियम 1867 के औपचारिक युग को समाप्त कर 2023 का नया विधेयक पारित कर लिया गया है। इसलिए आज हम मीडिया और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, प्रेस की आजादी और समाचार पत्र पत्रिका प्रकाशन में प्रेस पत्र पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 मील का पत्थर सब आईटी होगा।

साथियों बात अगर हम प्रेस पत्र पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 की करें तो, इस नए कानून में किसी भी कार्यालय में गए बिना ही ऑनलाइन प्रणाली के जरिए पत्र-पत्रिकाओं के शीर्षक आवंटन और पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं समकालिक बना दिया गया है। इससे प्रेस रजिस्ट्रार जनरल को इस प्रक्रिया को काफी तेज करने में मदद मिलेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रकाशकों, विशेषकर छोटे और मध्यम प्रकाशकों को अपना प्रकाशन शुरू करने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रकाशकों को अब जिला मजिस्ट्रेटों या स्थानीय अधिकारियों के पास संबंधित घोषणा को प्रस्तुत करने और इस तरह की घोषणाओं को प्रमाणित कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा, प्रिंटिंग प्रेसों को भी इस तरह की कोई घोषणा प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी, इसके बजाय केवल एक सूचना ही पर्याप्त होगी। वर्तमान में इस पूरी प्रक्रिया में 8 चरण शामिल थे और इसमें काफी समय लगता था।साथियों बात अगर हम प्रेस पत्र पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 के लोकसभा में पारित होने की करें तो, प्रेस और पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक, 2023 (पीआरपी) गुरुवार को राज्यसभा में पारित हो गया। बता दें कि प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 (पीआरबी) को निरस्त करने के लिए यह विधेयक लाया गया है। विधेयक का उद्देश्य पत्र-पत्रिकाओं के शीर्षक सत्यापन और पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया को सरल बनाना है।सदन ने विपक्ष की अनुपस्थिति में कुछ मिनट बाद ही ध्वनि मत से विधेयक पारित कर दिया। इस बीच सूचना-प्रसारण मंत्री ने कहा, पुराने और नए अधिनियम के बीच अंतर समझाने के लिए मैं चाहता था कि विपक्ष भी यहां होता क्योंकि वे एक समय देश पर शासन कर रहे थे। विधेयक में समाचार पत्रों के प्रसार और सत्यापन से संबंधित प्रावधान हैं। इसमें भारत में विदेशी पत्रिकाओं के प्रतिकृति संस्करणों के प्रकाशन के लिए केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक के अनुसार प्रकाशक, पत्रिका के पंजीकरण प्रमाणपत्र विवरण या शीर्षक में संशोधन के लिए प्रेस रजिस्ट्रार जनरल को आवेदन कर सकता है। विधेयक में प्रेस और पंजीकरण अपीलीय बोर्ड का प्रावधान है, जिसमें भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष और इसके सदस्यों में से भारतीय प्रेस परिषद द्वारा नामित दो सदस्य शामिल होंगे।विधेयक प्रस?तुत करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पंजीकरण प्रक्रिया निर्धारित 60 दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण प्रक्रिया अब आठ चरण के बजाय केवल एक चरण में पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र और पत्रिकाओं के प्रकाशकों को जिलाधिकारी और भारत के समाचार पत्र पंजीयक आरएनआई के प्रेस रजिस्ट्रार को ऑनलाइन आवेदन देना होगा।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को समाचार पत्र और पत्रिकाओं के प्रकाशन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले छोटे अपराधों के लिए जुर्माना और छह महीने की कैद का प्रावधान था, लेकिन अब ज्यादातर प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने पर सिर्फ जुर्माना लगाया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने इस विधेयक को सरल, बेहतर और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने वाला बताया। उन?होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार प्रेस की स?वतंत्रता की समर्थक है। यह विधेयक इसे साबित करता है। उन्होंने कहा कि विधेयक बदलते मीडिया परिदृश्य के अनुरूप है। पीएम की सरकार ने पिछले सरकार के बिल्कुल विपरीत 'प्रेस को अधिक स्वतंत्रता' दी है।

डंकी ड्रॉप 6 : दिलजीत दोसांझ का 'बंदा' गाना हुआ रिलीज

विंडो पर अभी से देखा जा रहा है, जहांफिल्म ने पहले ही रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है और कई बड़ी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है। 'डंकी' में शानदार कास्ट है, जिसमें शाहरुख खान के साथ-साथ सुपरटैलेंटेड अभिनेता बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर द्वारा रंगीन किरदार निभाए गए हैं। इस फिल्म की कथा राजकुमार हिरानी के साथ अभिजात जोशी और कनिका ढिल्लों ने संयुक्तरूप से लिखा है। इस साल 'जवान' और 'पठान' के बाद यह शाहरुख खान की तीसरी फिल्म है। शाहरुख की 'जवान' और 'पठान' के बाद 'डंकी' को भी सुबह 5.55 का शो मिलेगा। यह फिल्म 21 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जीओ स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की नवीनतम प्रस्तुति 'डंकी' का प्रमोशन इन दिनों बड़े जोरशोर से चल रहा है। इसी कड़ी में राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा बनाई गई दिल छू लेने वाली इस फिल्म का एक नया गाना, 'डंकी ड्रॉप 6', जिसका टाइटल 'बंदा' है, जारी कर दिया गया है।

उम्मीद की जा रही है कि शाहरुख खान का यह इंट्रोडक्शन सॉन्ग निश्चित रूप से प्रशंसकों और दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट लेकर आएगा। वैसे दर्शकों का उत्साह एडवांस बुकिंग

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

मिमिक्री व संसद सुरक्षा मुद्दे पर घमासान हाई - अपमान की लड़ाई 2024 पर आई

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर दुनियां का हर देश जलवायु परिवर्तन के भीषण परिणाम से पीड़ित है, जिसका निदान करना और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन रोकना, पर्यावरण की रक्षा करना हर देश ही नहीं बल्कि हर मानवीय जीव का कर्तव्य है। पिछले कई दिनों व आज 10 दिसंबर 2023 को हम देख रहे हैं ठंड का मौसम होने के बावजूद भारत के अनेक भागों में झमाझम बारिश हो रही है दक्षिण में तूफान कहर बरपा रहा है जो जलवायु परिवर्तन के दुष्टपरिणामो का ही असर है। पर्यावरण की रक्षा, जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए ही वैश्विक 28 वा कॉप वैश्विक शिखर सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में 30 नवंबर से 12 दिसंबर 2023 तक विचार विमर्श, मंथन कर सर्वसम्मति अनुमति से योजनाएं बनाकर वैश्विक स्तरपर क्रियान्वयन करने के लिए प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें भारतीय पीएम भी शरीक हुए। चूंकि जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से आज पूरी मानव जाति पीड़ित है, परंतु दुनियां की सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद प्रति व्यक्ति उत्सर्जन कम होना भारत की उपलब्धि दर्शाता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कॉप 28 शिखर सम्मेलन दुबई 2023 में भारत का शौर्यपूर्ण डंका बजा ! भारत जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक की उच्च रैंकिंग सातवें स्थान पर आया।साथियों बात अगर हम भारत के जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक की उच्च रैंकिंग सातवें नंबर पर आने की करें तो, सम्मेलन में शुक्रवार को जारी हुई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सूची में सातवें स्थान पर है। भारत पिछली बार जलवायु परिवर्तन प्रदर्शनसूचकांक में आठवें स्थान पर था।ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होने के वजह से भारत को उच्च रैंकिंग मिली है। भारत दुनियां का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। दुबई में आयोजित वैश्विक जलवायु वार्ता के दौरान जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूची जारी हुई। सूची में भारत ने एक पायदान की बढ़ोत्तरी की है। सूची के अनुसार, भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीर है और अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बता दें, वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होने के वजह से भारत को उच्च रैंकिंग मिली है। भारत दुनियां का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। बावजूद इसके यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारे डाटा से साफ होता है कि प्रति व्यक्ति जीएचजी श्रेणी में भारत दो डिग्री सेल्सियस से नीचे के बेंचमार्क को छूने वाला है। यह आंकड़ा सकारात्मक रुझानों को दर्शाता है। हालांकि, इसकी गति बहुत धीमी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक तैयार करने के लिए 63 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु शमन प्रयासों की निगरानी की गई, जो दुनियां भर में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करते हैं। सूचकांक में भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग श्रेणियों में उच्च रैंकिंग प्राप्त हुई है, लेकिन जलवायु नीति और नवीकरणीय ऊर्जा में पिछले वर्ष की तरह मध्यम रैंकिंग मिली है।सूचकांक में कहा गया है कि भारत, दुनियां का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है। सूचकांक पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारा डेटा दिखाता है कि प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस श्रेणी में देश 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे के मानक को पूरा करने की राह पर है। हालांकि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में थोड़ा सकारात्मक रुझान दिखता है, लेकिन यह रुझान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है।साथियों बात अगर हम कॉप 28 शिखर सम्मेलन में शुक्रवार दिनांक 9 सितंबर 2023 को जारी रिपोर्ट को विस्तृत रूप से जानने की करें तो, जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) विशेषज्ञों ने बताया कि भारत स्पष्ट दीर्घकालिक नीतियों के साथ अपने राष्ट्रीय स्तरपर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने की कोशिश कर रहा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और नवीकरणीय ऊर्जा घटकों के घरेलू विनिर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके बावजूद भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें अभी भी तेल और गैस के साथ-साथ कोयले पर भारी निर्भरता से पूरी हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह निर्भरता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का एक प्रमुख स्रोत है और विशेष रूप से शहरों में गंभीर वायु प्रदूषण का कारण बनती है। भारत अब भी तेल-गैस और पेट्रोल पर हैंहमारे, सीसीपीआई के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत दीर्घ कालिक नीतियों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की कोशिश कर रहा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है। हालांकि, भारत की जरूरतें अब भी तेल और गैस के साथ-साथ कोयले पर पूरी तरह से निर्भर करती है। तेल-गैस और कोयला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रमुख स्रोत है। यह वायु प्रदूषण का भी अहम कारण है।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज्ञादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

आयुक्त ने मण्डलीय विकास कार्यों,कर करेत्तर व राजस्व की समीक्षा बैठक दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर । मण्डलायुक्त अमित गुप्ता की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों, कर-करेत्तर व राजस्व की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी, बैठक में जिलाधिकारी कानपुर नगर विशाख जी0, जिलाधिकारी कानपुर देहात आलोक सिंह, जिलाधिकारी औरैया नेहा प्रकाश, जिलाधिकारी कन्नौज शुभ्रान्त कुमार शुक्ल, जिलाधिकारी इटावा अवनीश राय, संयुक्त विकास आयुक्त एन0बी0 सविता, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर सुधीर कुमार सहित मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य वन संरक्षक के0के0 सिंह, उप निदेशक अर्थ एवं सांख्यकी रजनीश राजपूत व सम्बन्धित विभागों के मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण निर्देश जनपदों में यह सुनिश्चित कराया जाये कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के परिसर में तथा परिसर के बाहर आस-पास किसी भी प्रकार का जल भराव एवं गन्दगी नहीं रहे। जनपदों में की गयी कार्यवाही के फोटोग्राफ उपलब्ध कराए जाए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालायों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में नामांकित बच्चों के सापेक्ष उपस्थिति जनपद औरैया की सबसे कम है। गत माह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई थी। आगामी माह में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर सम्बन्धित का दायित्व निर्धारित किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत ग्रामों में गृहों अथवा प्रतिष्ठानों से संग्रहित अपशिष्ट के सम्बन्ध में जनपद कानपुर नगर के मॉडल के अनुसार मण्डल के अन्य जनपद कार्यवाही करें। जनपदों में जिलाधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के अवशेष जर्जर भवनों की 7 दिवस में नीलामी सुनिश्चित करायी जाये। जनपदों में फसल अवशेष तथा कूड़ा जलाने की घटनाएं प्रकाश में आने पर तत्काल अर्थदण्ड/दण्डात्मक कार्यवाही की सुनिश्चित करायी जाए। जनपदों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरुप धान क्रय की कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाए। जनपदों में निराश्रित गोवंशों को संरक्षित कराया जाये, शीत ऋतु के दृष्टिगत आश्रय केन्द्रों पर पशुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाए। यह सुनिश्चित करें कि हाईवे पर किसी भी दशा में निराश्रित गोवंश नहीं पाया जाए। मिशन मिलियन सेक्सड कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के तहत अच्छी प्रगति सुनिश्चित की जाए। पालतू पशुओं को खुला छोड़ने पर संरक्षक से जुर्माना वसूला जाए। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पाइप लाइन डाले जाने हेतु सड़कों को तत्काल मोटरेबल बना दिया जाए। मुख्य विकास अधिकारी रेट्रोफिटिंग कार्यों को ग्राम पंचायत को हस्तगत कराने से पूर्व स्वयं गुणवत्ता सम्बन्धित सत्यापन आवश्यक करा लें।

दसवें सिख गुरु के पुत्रों की स्मृति में 26 को वीर बालक दिवस के रूप में मनाया जाएगा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं क्षेत्र के मॉनिटरिंग टीम के सदस्यों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने 26 दिसंबर को वीर बालक दिवस को राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर नरेंद्र मोदी ने यह घोषणा की थी कि दसवें सिख गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह की स्मृति में वीर बालक दिवस के रूप में मनाया जाएगा ।

श्री पाल ने कहा की प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी अपने सभी 17 संगठनत्मक जिलों के सभी 254 मंडलों में वीर बालक दिवस के रूप मे मनाएगी ।

बैठक में विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत चल रही मोदी की गारंटी वैन की भी समीक्षा करते हुए सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा की 25 जनवरी तक चलने वाली मोदी गारंटी वैन का लाभ जन जन तक पहुंचा कर विकसित भारत के प्रधानमंत्री के संकल्प को मोदी जी का ध्वजवाहक बन कर पूर्ण करना है। 25 दिसम्बर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल विहारी बाजपेई के जन्म दिवस पर बूथ स्तर पर सुशासन दिवस के रूप में मनाया जायेगा। श्री पाल ने क्षेत्रीय पदाधिकारियो को जिम्मेदारी भी सौंपी है ।

आरटीओ अधिकारियों ने वाहन चालको को बताया दुर्घटना होने का कारण

215 चालको का हुआ नेत्र परीक्षण, कईयों के निकला मोतियाबिंद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के चौथे दिन सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान आरटीओ कार्यालय के स्मार्ट भवन में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आरटीओ विभाग के अधिकारियों ने रोड पर दो पहिया, चार पहिया वाहनों के चालकों को हेलमेट व सीटबेल्ट लगाने की अनिवार्यता को बताया सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सुधीर कुमार, एआरटीओ प्रवर्तन अधिकारी कहकशा खातून, पीटीओ मानवेन्द्र सिंह, आरआई अजीत सिंह, आरआई श्रीमती अकांक्षा सिंह ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि किस तरह से चालक दुर्घटना का शिकार होता है और कैसे उससे बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सदैव वाहन चलाते समय हेलमेट व सीटबेल्ट पहने, वाहन चलाते समय मोबाइल या हेड फ़ोन का प्रयोग न करे, बड़े वाहनों और ट्रालियों में रिफ्लेकटर टेप लगाये। इसके साथ ही चालको के नेत्र परीक्षण के लिए डॉक्टरों द्वारा कैम्प लगाया गया और 215 चालको का नेत्र परीक्षण किया गया। इसके बाद सभी अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमो को लेकर शपथ दिलाई। इस मौके पर एआरटीओ प्रवर्तन/ प्रशासन के साथ समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने पत्रक देकर सड़क सुरक्षा के प्रति चालकों को किया जागरूक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश के क्रम में द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत नौबस्ता रामादेवी, जाजमऊ के पास टेम्पो/आटो/ई-रिक्शा /बस के चालकों को एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम राजेश राजपूत द्वारा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी पत्रक वितरित किए गए। साथ ही साथ स्मोक मीटर द्वास चालकों का परीक्षण भी किया गया। जिसमें लगभग 245 लोगों को पत्रक देकर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी दी गयी। इसके अलावा शहीद मेजर सलमान अन्तर्राज्यीय बस स्टैण्ड झकरकटी कानपुर में भी एक स्वास्थ्य शिविर एवं नेत्र परीक्षण का कैम्प लगाया गया। जिसमें लगभग 156 चालक / परिचालक लोगों ने जांच करायी। यात्री कर अधिकारी मानवेन्द्र सिंह द्वारा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी दुर्घटना से बचाव के सम्बन्ध में चालकों को पत्रक देकर सुझाव दिये।

आयुक्त ने कानपुर दर्शन की आनलाइन बुकिंग की व्यवस्था जल्द से जल्द कार्य करने का दिया निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर । शहर कानपुर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु मण्डलायुक्त अमित गुप्ता ने एक नए विजन के साथ कार्य करने की पहल की है, जिसमें सर्वप्रथम कानपुर दर्शन सिटी टूर शुरू कर दिया गया है, जिसका सफलापूर्वक शुभारम्भ 17 दिसम्बर,को किया जा चुका है, जिसके सम्बन्ध में मण्डलायुक्त सभागार में पर्यटन विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गयी। मण्डलायुक्त ने कहा कि कानपुर नगर धार्मिक, व्यवसायिक, पौराणिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को अपने में समेटे हुए हैं, इन धरोहरों से विशेष रूप से छात्र-छात्राओं को रूबरू कराने हेतु कानपुर भ्रमण आयोजित हो रहा है जिससे छात्र-छात्राएं कानपुर की संस्कृति और इतिहास को जान रहे हैं। उन्होंने कानपुर दर्शन समन्वयक डॉ सुधांशु राय को कानपुर की समस्त पर्यटक स्थलों पर एक बुकलेट बनाने को कहा जिससे आगे चलकर जनमानस के लिए आयोजित होने वाले कानपुर दर्शन में हर पर्यटक स्थलों का पूर्ण विवरण और उसका आकर्षण गाइड के द्वारा भ्रमण के समय उन्हें प्रभावी रूप से बताया जाए। मण्डलायुक्त ने कानपुर स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधियों को कानपुर दर्शन की ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था जल्द से जल्द कार्य कर, शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कानपुर दर्शन के हर पर्यटक से फीडबैक प्राप्त कर सिटी टूर को और प्रभावी बनाया जाये। उन्होंने हर पर्यटक स्थलों पर संबंधित विभाग को मूलभूत सुविधाएं पीने का पानी, शौचालय, स्वच्छता इत्यादि पर केंद्रित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा पर्यटन के विकास से रोजगार तो बढ़ेगा साथ ही साथ आपसी सौहार्द भी बढ़ेगा। पर्यटन विकास एवं प्रोत्साहन समिति के समन्वयक डॉ सुधांशु राय ने बताया कि कानपुर के विभिन्न

दर्शनीय स्थलों जैसे कानपुर प्राणी उद्यान, जंगल सफारी, ग्रीन पार्क विजिटर गैलरी, कानपुर बोट क्लब, नाना राव पार्क, वेस्ट टू वंडर पार्क, फूलबाग लाइट एंड साउंड शो, स्पोर्ट्स हब, बिठूर, पेशवा स्मारक, जे0के0 मंदिर, इस्कॉन मंदिर, सुधांशु आश्रम, भीतरगांव, निबिया खेड़ा मंदिर, बिहटा बुजुर्ग, अटल घाट, कचहरी गोरा कब्रिस्तान, स्मार्ट सिटी आई0सी0सी0सी0 केन्द्र, ऑल सोल चर्च, मैसकर घाट, बिठूर के घाट ब्रह्मावर्त, पत्थर घाट इत्यादि को कानपुर दर्शन में समय-समय पर सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने बताया कानपुर दर्शन का सम्पर्क नंबर 8429525900 है जिस पर वर्तमान में कोई भी संस्था/स्कूल/ महाविद्यालय/क्लब इत्यादि ग्रुप टूर के लिए सम्पर्क कर सकते है। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जी0एन0, निदेशक कानपुर प्राणी उद्यान के0के0 सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार, संयुक्त निदेशक शिक्षा मनोज द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार, मुख्य संचालन अधिकारी सिटी बस डी0वी0 सिंह, पर्यटक अधिकारी अर्जित ओझा, सिंघानिया स्कूल प्रधानाचार्य भावना गुप्ता, डॉ0 शेफाली राज, नीरज श्रीवास्तव, स्मार्ट सिटी प्रतिनिधि राहुल सभरवाल, शशांक दीक्षित, बोट क्लब से अंगद सिंह, विजिटर गैलरी से कुलविन, स्पोर्ट्स हब के0पी0 श्रीवास्तव सहित सम्बन्धित लोग उपस्थित रहे।

बच्चेदानी का ट्यूमर निकाल बचाई माँ और बच्चे की जान

बच्चे एवं बच्चेदानी को चोट पहुंचाए निकाला एक किलो का ट्यूमर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बच्चेदानी के ट्यूमर ने जच्चा बच्चा की जान खतरे में डाल दी जिसे डॉ सीमा द्विवेदी की यूनिट ने जटिल ऑपरेशन कर जच्चा बच्चा दोनो की जान बचाई। इस तरह का ऑपरेशन कर उन्होंने साबित कर दिया कि डॉक्टर ही भगवान का रूप ले कर जीवन की रक्षा करते है। आपको बता दे कि चमनगंज की 31 वर्षीय महिला 9 महीने के गर्भ के साथ जच्चा बच्चा पहुंची, उसके बच्चेदानी में एक बड़ा सा ट्यूमर था, एक बच्चा ऑपरेशन से पहले उसको हो चुका था, लेकिन इस बार ट्यूमर का आकार प्रकार बहुत बढ़कर एक किलो तक हो चुका था। जहां से ऑपरेशन कर बच्चों को निकाला जाता है वह पूरी जगह ट्यूमर ने घेर रखी थी। इसलिए अब डॉक्टरो के समक्ष चुनौती थी बिना अधिक खून बहाए बच्चे एवं बच्चेदानी को चोट पहुंचाए बिना बच्चेदानी को सुरक्षित रखते हुए बच्चे और ट्यूमर दोनों को निकाला। बच्चे को निकलते समय रास्ते में आने वाली श्च्द्यड्डष्द्बठ्ठह्लड्ड (कनाई)को काटकर बच्चे को निकलना पड़ा। आम स्थितियों में इतने बड़े ट्यूमर में बच्चेदानी निकाल दी जाती है या फिर ट्यूमर को हाथ नहीं लगाया जाता दूसरी बार ऑपरेशन कर निकाला जाता है। लेकिन डॉक्टरों की एक्सपर्ट टीम ने जिसमें डॉ सीमा द्विवेदी डॉ प्रतिमा वर्मा डॉ मोनिका चौहान आदि उपस्थित थे एक ही बार में बिना खून बहा बच्चेदानी को बचाते हुए एक किलो का ट्यूमर निकाल दिया।

किशोर स्वास्थ्य मंच से दिया बेह्तर स्वास्थ्य रखने का संदेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किशोरों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता लाकर उनकी सेहत सुधारने के उद्देश्य से जनपद के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के इंटर कालेजों में किशोर स्वास्थ्य मंच का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के तहत चुन्नीगंज स्थित राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में 'किशोर स्वास्थ्य मंच' का आयोजन कर उनको स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए मेहँदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे विजय प्रतिभागियों को राष्ट्रीय किशोर/किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ सुबोध प्रकाश द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा 11 और 12 कक्षा की छात्राओं की हीमोग्लोबिन जांच कर एनिमिया व अन्य बीमारियों की पहचान एवं संदरभन साथ के एनीमिया, आयरन और आईएफए की गोलियों का वितरण कर उनके साप्ताहिक सेवन की जानकारी दी गई। डॉ सुबोध ने लिंग भेदभाव, नशा मुक्ति एवं पर्सनल हाईजीन को लेकर छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी किशोरी का हीमोग्लोबिन 11 से कम होता है तो वह खून की कमी की अवस्था में है, और ऐसी स्थिति में उन्हे बेहतर पोषण और देखभाल की जरूरत है।ग्वालटोली नगरीय स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ कल्पना सिंह ने किशोरियों को बताया कि खून की कमी आजकल बच्चों में एक आम समस्या है7 इसका मुख्य कारण उनका फ़ास्ट फूड जैसे ङ्क बर्गर, पिज़्ज़ा का सेवन करना7 उन्होंने आयरन फोलिक एसिड दवाई के बारे में जानकरी देते हुए बताया कि यह गोली हफ्ते में एक बार लेनी चाहिए, और इसे खाना खाने के एक घंटा के बाद सेवन करे7 इस गोली के सेवन से किशोरियों में होने वाली खून की कमी को रोका जा सकता है और वह स्वस्थ और पोषित रह सकती हैं7

उपस्थित किशोरियों को संबोधित करते हुए डीईआईसी मैनेजर डॉ? अजीत सिंह ने बताया कि किशोर/ किशोरियों के लिए जिला अस्पताल में साथिया केंद्र संचालित किया जा रहा है7 इस केंद्र में आई?फ़ए टेबलेट मुफ्त में मिलती है7 साथ ही किशोरों को नींद नहीं आना, मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के लिए यह केंद्र संचालित किये जाते हैं7 क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट संदीप सिंह ने सभी छात्राओं का प्रोत्साहन किया और सभी को मानसिक स्वास्थ्य एवं किशोरावस्था में अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए परामर्श दिया। खुले मंच के दौरा दौरान किशोरियों ने गीत गा कर, कविता सुनाई7 इस दौरान आईसीडीएस विभाग द्वारा पोषण मंच बनाया गया7 जिसमें हरी सब्जियों, गाजर, दालों में मौजूद पोषण पर जानकरी दी गई।

टीबी की जानकारी देकर मेट्रो कर्मचारियों को टीबी चैंपियनस ने किया सचेत

बीपीएस न्यूज

कानपुर । अगर दो हफ्ते से अधिक समय से खांसी आ रही है, बुखार बना रहता है, वजन घट रहा है, भूख नहीं लगती है तो टीबी की जांच अवश्य कराएं। जांच में यदि टीबी की पुष्टि होती है तो घबराएं नहीं क्योंकि इसका पूर्ण इलाज संभव है। टीबी को छिपाने पर एक मरीज उपचार न होने के कारण एक साल में दस से पंद्रह स्वस्थ लोगों को संक्रमित कर सकता है। ऐसे में इसे छिपाने की नहीं बल्कि इस के इलाज की जरूरत है। यह जानकारी क्षयरोग से ठीक हो चुकीं टीबी चैंपियन दुर्गा सैनी ने बड़ा चौराहा में चल रहे मेट्रो निर्माण के दौरान वहां मौजूद कर्मचारियों व मजदूरों को दी । इस दौरान मेट्रो के स्वास्थ्य अधिकारी मिलन सरकार व डॉ अंकुर कनौजिया सहित सहयोगी संस्था वर्ल्ड विज़न के जिला समन्वयक राम राजीव सिंह मौजूद रहे। साथ ही वहां मौजूद जिला पुरुष अस्पताल, उर्सला के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस) राजेश विष्नोई व विवेक मौर्य ने बताया की कहा कि यह रोग किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। इसलिए चिकित्सक के परामर्श के अनुसार दवा का नियमित रूप से सेवन करें। यह जरूर ख्याल रखें कि दवा को बीच में छोड़ना नहीं है, नहीं तो टीबी गंभीर रूप ले सकती है। ऐसी स्थिति में इलाज लंबा चल सकता है। वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाना प्राथमिकता जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ आरपी मिश्रा (डीटीओ) का कहना है कि वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाना हम सभी की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक टीबी का संक्रमण न फैले इसके लिए आवश्यक है कि उच्च जोखिम समूहों जैसे मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों, ईंट भट्ठा श्रमिकों, सेक्स वर्कस, कुपोषित समूहों आदि के बीच से टीबी मरीज आगे आएं और अपना इलाज पूरा करवायें । भ्रांतियों को दूर कर रहे टीबी चैंपियन उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश्वर सिंह बताते हैं कि टीबी का इलाज संभव है, लेकिन अब भी टीबी को लेकर लोगों में कई प्रकार की भ्रांतियां हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने और क्षय रोगियों का मनोबल बढ़ाने के लिए जनपद में टीबी चैंपियन अपना अनुभव साझा कर रहे हैं। वह अपने अनुभवों से उन्हें बता रहे हैं कि टीबी का उपचार संभव है। टीबी चैंपियन क्षय रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को जोखिम मूल्यांकन की जानकारी व उपचार के बारे में बता रहे हैं। टीबी एक ड्रॉपलेट इंफेक्शन जिला कार्यक्रम समन्वयक राजीव सक्सेना बताते हैं कि टीबी एक ड्रॉपलेट इंफेक्शन है। अगर कोई टीबी का मरीज छींकता है, या खांसता है, तो इसके ड्रॉपलेट पॉच फीट तक जाते हैं। ऐसे में हम मास्क लगाकर और दूरी बनाकर टीबी के संक्रमण को रोक सकते हैं और उसे खत्म कर सकते हैं। उन्होंने बताया की जनपद में 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक दस दिवसीय विशेष एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) अभियान के तहत टीबी के लक्षण वाले 3682 लोगों के बलगम का नमूना लिया गया। बलगम की जांच में 79 व एक्स-रे की जांच में 36 लोगों में टीबी की पहचान हुई। कुल 115 टीबी रोगियों का इलाज शुरू कर दिया गया है।

स्वर्गीय कृषक के घर पहुंच सौंपी पांच लाख का चेक, जताया सदैव सहयोग का भरोसा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । किसान स्वर्गीय बाबू सिंह यादव की बेटियों को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ?5 लाख का चेक प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ग्रामीण अध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला तथा विधायक कैंट मोहम्मद हसन रूमी के साथ स्वर्गीय बाबू सिंह के निवास पहुंचकर चेक दी । बाबू सिंह के परिवार को सपा सदैव सहयोग करेगी भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसान स्वर्गीय बाबू सिंह के परिवार को ? 5लाख की चेक लेकर सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल स्वर्गीय बाबू सिंह के आवास पहुंचकर उनके परिवार को सौंपी चेक देते हुए प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के साथ सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद शैलेंद्र यादव मिंटू जगराम सिंह नंदलाल जायसवाल मगन सिंह भदोरिया बंटी यादव फतेह बहादुर गिल अभिमन्यु गुप्ता राजू शर्मा महाराजपुर विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव विजय यादव सर्वेश यादव योगेंद्र कुशवाहा बलवंत सिंह आशीष यादव इशु यादव मंजीत यादव आदि प्रमुख लोग रहे 7 सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि बेरोजगारी महंगाई बढ़ रही है बिजली मूल्य की बढ़ोतरी किसनो की कमर भाजपा तोड़ रही है आपने आगे कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है जिससे मनमानी अभी दिख रही है उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि बथों तक टीम तैयार करके मतदाताओं के द्वारा पहुंचकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों कार्यक्रमों से जनता को अवगत कराए?।

आतंकी हमले में कानपुर का बेटा हुआ शहीद, एसडीएम बिल्हौर ने शहीद के घर पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीमा पर देश की रक्षा करने में, देश के लिए प्राण न्योक्षावर करने में जिस गर्व की अनुभूति होती है उसे शब्दों में बयां नही किया जा सकता लेकिन इसके साथ कहीं न कहीं शहीद के परिजनों के दिलों में एक दर्द भी उठता है और यह लाजिमी है कि जिस मां के आंचल, पिता के सायें में पुत्र बडा हुआ अब उसी पुत्र को पिता कंधा देगा यह अत्याधिक कठिन है। गुरूवार की देर रात जम्मू कश्मीर के राजौरी के पास एक सर्च ऑपरेशन के दौरान कानपुर का लाल शहीद हो गया। उसके सार्थियों द्वारा शहीद सैनिक के शहदी हो जाने की सूचना परिजनों को दी गयी, जिसके बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।वहीं समाचार फेलते ही आस-पास के गांव वाले शहीद सैनिक के घर की ओर निकल पडे। एसडीएम बिल्हौर भी शहीद के घर पहुंची और वहां उन्होने शहीद के परिजनो को ढांढस बंधाया।

कानपुर के चौबेपुर क्षेत्र के भाऊपुर के रहने वाले 30 वर्षीय करन सिंह यादव पुत्र बालकराम यादव गुरूवार की रात जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर के पास एक सर्च ऑपरेशन के दौरान शहीद हो गये। उनके शहदी होने की सूचना उनके साथियों द्वारा परिजनों को दी गयी, जिसके बाद शहीद के घर में कोहराम मच गया और घर वालों का रो-रोकर बुराहाल हो गया। शहीद करन 2013 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। परिजनवार में माता-पिता के साथ एक भाई तथा तीन बहनों के साथ ही एक पुत्र तथा एक पुत्री भी है। शुक्रवार की सुबह जैसे ही करन के शहीद होने की खबर फैली वैसे ही आसपास के गांव वाले बडी संख्या में शहीद के घर जा पहुंचे। वहीं एसडीएम बिल्हौर भी शहीद करन सिंह के घर पहुंची और जानकारी ली साथ ही उन्होने शहीद के परिजनों का ढांढस भी बधांया।

आयरन स्टील की दुकान पर चोरों ने दिया घटना को अंजाम, छत के रास्ते आये तोड़े दुकान के ताले

दुकान मालिक ने थाना बिधनू पहुंचकर दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर नगर के आस-पास के क्षेत्रों में लगातार चोरो का आतंक जारी है और लगतार रात को चोर किसी न किसी दुकान, घर को अपना निशाना बनाते जा रहे है।इसी क्रम में थाना बिधून क्षेत्र के अतंर्गत एक आयरन स्टील की दुकान में ताला तोड चोरो ने लाखों का माल पार कर दिया। सुबह जब दुकान मालिक को चोरी की घटना का पता चला तो वह थाना बिधनू पहुंचा। बिधून थाना अध्यक्ष ने कहा कि जांच की जायेगी और जल्द ही मामले का खुलासा किया जायेगा ।जानकारी के अनुसार हंसपुरम नौबस्ता के रहने वाले विवेक गुप्ता की दुकान थाना बिधून क्षेत्र के हरबसपुर गांव में मां भगवती एंड आयरन स्टील के नाम से है। बताया कि दुकान में निर्माण सम्बन्धि कार्य किया जा रहा है।उन्होने बताया कि शनिवार की सुबह जब वह अपनी दुकान में पहुंचे तो उन्होने ताला टूटा पाया और अन्दर जाने में जानकारी हुई की चोरो ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होने बताया कि चोरो द्वारा दुकान में रखा दस टन काला तार, इन्वेटर बैट्री सहित अन्य इलेक्ट्रिक का सामन चोरो ने पार कर दिया है। चोरी के सम्बन्ध में थाना बिधनू अध्यक्ष प्रेमचंद द्वारा बताया गया कि उन्हे चोरी की सूचना मिली है, जांच शुरू कर दी गयी है जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जायेगा। बताया कि चोर छत के रास्ते से दुकान में घुसे, चूंकि दुकान में निर्माण का काम चल रहा था ऐसे में यहां काम करने वालो का भी इस घटना की पीछे हाथ हो सकता है।

भारत सेवा आश्रम, नई दिल्ली द्वारा बन्दियों को कम्बल वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाज सेवी संस्था भारत सेवा आश्रम, नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती शुभी मिश्रा द्वारा जिला कारागार, कानपुर नगर में निरूद्ध बन्दियों को वितरित किये जाने हेतु 200 नग ऊनी कम्बल उपलब्ध कराये गये। जेल अधीक्षक-डॉ बी0डी0 पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि जिला कारागार, कानपुर नगर में बन्दियों के लिये कम्बल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज सेवी संस्था भारत सेवा आश्रम, नई दिल्ली के पदाधिकारियों द्वारा कारागार पर उपस्थित होकर 200 नग ऊनी कम्बल उपलब्ध कराये गये, जिन्हें उक्त आयोजित कार्यक्रम में खासकर उन जरूरतमन्द बन्दियों को प्रदान किया गया जिनसे कोई मुलाकात करने नही आता जिनके परिवार वालो ने उनसे हर तरह का रिस्ता समाप्त कर दीया हैं। इस अवसर पर उक्त समाज सेवी संस्था से श्री सौरभ बाजपेई, श्रीमती मोनिका बाजपेई, श्री अर्जुन शुक्ला उर्फ लाल जी, श्री अमित बाजपेई, श्री धर्मेन्द्र शुक्ला, श्री नसीम अहमद जाफरी एवं श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा कारागार के अधिकारीगण-जेलर-श्री राजेश कुमार व श्री कृष्ण मोहन चन्द्र, डिप्टी जेलर-श्री राजेश कुमार मौर्य, श्रीमती मौसमी राय तथा श्री अनिल कुमार उपस्थित रहे। कारागार अधीक्षक द्वारा समाजसेवी संस्था भारत सेवा आश्रम, नई दिल्ली द्वारा बन्दियों को कम्बल वितरण किये जाने के कार्य की सराहना करते हुये समाज सेवी संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अधिवक्ताओ को घातक चोट पहुंचाने पर हो 10 वर्ष की सजा और रु 1000000 जुर्माना: पं. रवीन्द्र शर्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।अधिवक्ताओ की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के लिए बनाई गई प्रारूप (ड्राफ्ट) कमेटी के संयोजक अमरेंद्र नाथ सिंह द्वारा प्रदेश के अधिवक्ता संघों से सुझाव / प्रस्ताव मांगे गए। जिससे शीघ्र अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रस्तावित ड्राफ्ट सरकार को पेश किया जा सके।

पंडित रवीन्द्र शर्मा अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के प्रस्तावित प्रारूप में अधिवक्ता हितार्थ निम्न प्रस्ताव जरिए ई मेल ड्राफ्टिंग कमेटी को प्रेषित किया ।प्रस्तावित अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रारूप में प्रमुख रूप सेअधिवक्ता पर हमला किए जाने पर 3 साल सजा और ?50000 जुर्माना हो

घातक चोट पहुंचाने पर 10 साल की सजा और ?100000 जुर्मानाअपराधिक बल प्रयोग या धमकी पर भी 3 साल की सजा का प्रावधान किया जाए ।उपरोक्त सभी अपराध संज्ञेय अपराध की श्रेणी में रखे जाएं।

अधिवक्ता पर हमले की जांच एस पी रैंक के अधिकारी करें और एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।यदि अधिवक्ता की संपत्ति को क्षतिग्रस्त किया जाता है या नुकसान पहुंचाया जाता है तो क्षति की राशि का निर्धारण न्यायालय द्वारा किया जाए और निर्धारित क्षति की राशि संबंधित अपराधी से भू राजस्व की भांति वसूल कर पीड़ित अधिवक्ता को दी जाए।

ये विशेष रूप से हो कि यदि किसी अधिवक्ता के विरुद्ध कोई शिकायत होती है तो सर्वप्रथम संबंधित अधिवक्ता संघों से सूचित कर संघ की सहमति के उपरांत ही करवाही हो ।

अधिनियम का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रावधानित किया जाए कि यदि कोईअधिवक्ता अधिनियम का दुरुपयोग करता है तो उस अधिवक्ता के विरुद्ध भी 2 साल के दंड का प्रावधान है।

हमारी उपरोक्त सुझावों / विचारों को प्रस्तावित अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम में शामिल कर अधिनियमित कराने से अधिवक्ताओं की सुरक्षा सहित जीवन रक्षा और संपत्ति की रक्षा होगी।और यह अधिनियम अधिवक्ताओं की गरिमा और सम्मान को बढ़ाने का कार्य करेगा।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि अब उत्तर प्रदेश सरकार अति शीघ्र अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करेगी।

कुएं में मिला लापता युवक का शव, 20 जनवरी को लापता युवक के परिजनों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिर्पोट

बीपीएस न्यूज

कानपुर । थाना बिधनू क्षेत्र के अंतर्गत घर से लापता एक युवका का शव एक कुंए में पडा होने की सूचना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौलबन गया। जिसे सूचना मिली वह कुंए की ओर आने लगा।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुंए से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं घटना स्थल पर फोरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए।थाना बिधून क्षेत्र के मझावन चौकी के दलेलपुर गांव के रहने वाले राजाबाबू प्रजापति का इकलौता पुत्र 21 वर्षीय पवन बीती रविवार से घर सेलापता था, जिसकी परिजनों द्वारा काफी खोज-बीन की गयी। लापता युवक का कोई पता न चलने के कारण परिजनों द्वारा 20 दिसम्बर को थाने में गुमशुदगीकी रिपोर्ट भी दर्ज कराई गयी थी। बताया जाता है कि पडोस के गांव के ही रहने वाले ओमप्रकाश शनिवार की सुबह जब अपने खेतों में गये तो अचानक बदबूने उनका ध्यान खींच ओर कुंए तक जा पहुंचे। उन्होने देखा कुंए में लाश पडी है। उन्होने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पुलिस के साथ गांव केलोग भी एकत्र हो गये थे। किसी प्रकार युवक के शव को ग्रामीणों की मदद से कुंए से बाहर निकलावा गया। मृतक के पिता ने अपने पुत्र को उसकी गर्दन परबने चित्र तथा हाथ के चूडे से पहचाना और शिनाख्त की साथ ही पिता द्वारा हत्या कर शव को कुएं में फेंकने की आशंका व्यक्त की। थाना बिधून प्रभारी प्रेमचंद्रकनौजिया का घटना के बाबत कहना है कि यवुक शराब का लती थी और अपने पिता से नशेबाजी के लिए उसने पैसा मांगा था, पिता द्वारा मना करने पर वहघर से निकल गया था। उन्होने कहा प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। जांच की जा रही है, जो भी पता चलेगा जानकारी दीजायेगी।

दरोगा ने दुकान में घुसकर व्यापारी को जड़ा थप्पड़, बवाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर । गश्त के दौरान फुटपाथ पर फैले अतिक्रमण हटाने को लेकर पहले चेतावनी और फिर भी अतिक्रमण न हटाने से झल्लाये दरोगा ने दुकान में घुसकर व्यापारी को थप्पड जड दिया, जिसके बाद हंगामा खडा हो गया। जहां दरोगा द्वारा अतिक्रमण हटाने की बात कही जा रही है तो वहीं व्यापारी द्वारा दरोगा पर अभद्रता तथा गालीगलौज करने का आरोप लगाया जा रहा है। कई व्यापारी थाने पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया ।जानकारी के अनुसार पीरोड स्थित मोहन फुट वियर जिसके मालिक बबलू है। बताया जाता है कि बबलू तथा उनका पुत्र दिनेश दुकान पर थे और दुकान पर ग्राहकों की भीड लगी हुई थी। वहीं गोपाल टॉकीज चौराहे से गश्त करती एसीपी सीसामऊ श्वेता कुमारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी हिमांशु खैधरी फोर्स के साथ आते हुए सडक पर फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए कह रहे थे। कहने के अनुसार व्यापारी तथा उनका पुत्र फुटपाथ से डिब्बे हटा ही रहे थे कि पुलिसकर्मी ने उनका वीडियो बनाना शुरू कर दिया और इसी बीच दरोगा ने दुकान में चढकर थप्पड मारा। घटना को लेकर व्यापारियो के खासा आक्रोश है। इसको लेकर थाने में हंगामा हुआ और व्यापारी आरोपी दरोगा तथा सिपाही के निलंबन की मांग पर अड गये।

इस बार भव्य होगा बिठूर महोत्सव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा जनपद कानपुर में बिठूर महोत्सव के आयोजन के संबंध में कार्य्रकम स्थल नानाराव स्मारक पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया गया। बिठूर महोत्सव का आयोजन 09 फरवरी से 11 फरवरी, 2024 के मध्य किया जाना प्रस्तावित है। बिठूर महोत्सव का भव्य आयोजन करने के लिए एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों के सुप्रसिद्ध उत्पादों की प्रदर्शनी, लाभकारी योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के स्टॉल की प्रदर्शनी, फूड कोर्ट हैन्डीक्राफ्ट प्रदर्शनी, किड्स प्ले जोन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित बिठूर महोत्सव के सफलतापूर्वक आयोजन किए जाने के संबंध में उपस्थित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए गए अधिशाषी अभियंता, लोक निर्माण विभाग यह सुनिश्चित करें कि बिठूर महोत्सव के सुचारू रूप से आयोजन किए जाने हेतु सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल की प्लानिंग तैयार करते हुए स्टेज,फूड कोर्ट, प्रदर्शनी, किड्स प्ले जोन इत्यादि का ले आउट तैयार करें। सहायक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि बिठूर महोत्सव में फूड कोर्ट कार्नर अलग से लगाया जाए जिसमें जनपद के प्रसिद्ध प्रतिष्ठानों के स्टाल लगाए जाए।

उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र, यह सुनिश्चित करें कि बिठूर महोत्सव में जनपद के विभिन्न उत्पादों/एक जनपद एक उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई जाए, जिसमें प्रदेश के अलग अगल जनपदों के सुप्रसिद्ध उत्पादों की प्रदर्शनी लगाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

जिला विद्यालय निरीक्षण एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बिठूर महोत्सव के दौरान तीन दिवसों में बच्चो के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की के आयोजन किए जाने हेतु अलग से मंच तैयार करते हुए जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र/छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्य्रकमों का आयोजित किए जाए, जिसमें वाद विवाद प्रतियोगिता, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता,पेंटिंग, निबंध आदि प्रतियोगिताए तथा विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। ततपश्चात जिलाधिकारी द्वारा बिठूर नानराव पार्क से बिठूर ब्रह्मवर्तघाट,पत्थर घाट का निरीक्षण किया गया एवं ब्रह्मावर्त कॉरिडोर को विकसित किए जाने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

कोहरे के कारण हुआ बड़ा हादसा, तीन ट्रको की आपस में हुई भिंडत

कोहरे के बढने के साथ मार्ग दुघर्टओं में होने लगी वृद्धि, घटना के बाद हाइवे पर लगा कई किलोमीटर लंबा जाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।कानपुर के घाटमपुर क्षेत्र में कोहरे के कारण एक बडा हादसा हुआ, जिसमें तीन ट्रक आपस में भिड गये। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्रक से निकलवाया तथा उन्हे घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे हैलट अस्पताल भेज दिया गया। घटना के कारण हाइवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

सर्दी बढने के साथ ही अब सुबह कोहरा भी घना होने लगा है और ऐसे में सडक पर चलने वाले बडे वाहनो के चालको को काफी सावधानी बरतनी होगी। कोहरे के कारण कई बडे हादसे होते रहते है। कानपुर के घाटमपुर क्षेत्र में कोहरे के चलते तीन ट्रको की आपस में भिडंत होगयी। हादसे में चालक सहित दो अन्य लोग घालय हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस ने घालयों को 108 एंबुलेंस द्वारा घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जळाा एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे हैलट रिफर कर दिया गया। ट्रक चालक सरोज द्वारा बताया गया कि वह अमेठी के बख्तावर फुर्सतगंज का रहने वाला है। उसने बताया कि वह फेतहपुर की ओर जा रहे थे कि सजेती थाना क्षेत्र के भदवारा गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनका ट्रक टकरा गया और उसके बाद पीछे से आनेवाला ट्रक भी उनसे भिड गया। सरोज को गंभीर अवस्था में कानपुर के हैलट अस्पताल इलाज के लिए भेज दिया गया है।

कानपुर : शिखर पान मसाला फैक्ट्री में जीएसटी का छापा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । ट्रांसपोट नगर स्थित शिखर पान मसाला फैक्ट्री में जीएसटी विभाग द्वारा बडी कार्यवाई करते हुए छापेमारी की गयी, जिससे हडकंप मच गया। इस छापेमारी में कानपुर के अलावा लखनऊ से आये अधिकारी भी मौजूद थे। बतातें चलें कि कानपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में शिखर पान मसाला वालों की फैक्ट्री है। गुरूवार को इस मासाला फैक्ट्री में जीएसटी विभाग के कानपुर के साथ ही लखनऊ से आये अधिकारियो ने छापेमारी की। बताया जाता है कि छापेमारी की भनक पहले ही मसाला व्यवसायी को शायद लग चुकी थी, क्यों कि जब टीम द्वारा फैक्ट्री में छापा मारा गया तब फैक्ट्री का काम बंद था। फिलहाल यह बडी कार्यवाई मानी जा रही है। छापेमारी के दौरान बडी मात्रा में पुलिस बल के साथ जीएसटी विभाग की कई गाडियां मौके पर देखी गयी।

रामोत्सव 2024 : ग्रैंड रिहर्सल की तरह होगा 30 दिसंबर का कार्यक्रम

समाज का साथी

लखनऊ। अयोध्या में अपने दिव्य, भव्य और नव्य मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा अब से ठीक एक माह की देरी पर है। ऐसे में प्रदेश की योगी सरकार आगामी 22 जनवरी 2024 को होने वाले ग्रैंड इवेंट का ग्रैंड रिहर्सल कराने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आगामी 30 दिसंबर को अयोध्या में एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या की साज-सजावट का इंतजाम ठीक वैसा ही होगा, जैसा आगामी 22 जनवरी के दौरान प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए किया जाएगा। इसलिए 30 दिसंबर की तैयारियों को 22 जनवरी 2024 के लिए ग्रैंड रिहर्सल के तौर पर माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रैंड रिहर्सल की तैयारियां करने का निर्देश दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 30 दिसंबर को अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, भव्य रेलवे स्टेशन सहित हजारों करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को ही अयोध्या का दौरा किया था। उन्होंने प्रदेश के मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान अयोध्या को ठीक वैसे ही सजाया जाए, जैसे 22 जनवरी 2024 के लिए तैयारी है।

सीएम योगी के स्पष्ट निर्देश हैं कि अयोध्या में चार प्रमुख मार्ग (राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ व धर्म पथ) को आकर्षक ढंग से पुष्पों से सजाया जाए। इस दौरान फुटपाथ पर सुंदर फूलों वाले गमलों से साज सज्जा की जाए। साथ ही राम पथ के फुटपाथ व मुख्य कैरेज वे के बीच में आकर्षक रेलिंग लगाई जाएं। चारों प्रमुख मार्गों पर लाइट एवं फसाड के कार्य एक हफ्ते में ही पूरे कर लिए जाएं। इसमें पीडब्लूडी, राजकीय निर्माण निगम, विकास प्राधिकरण और अयोध्या नगर निगम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए। अयोध्या विश्व स्तरीय पर्यटन सिटी के रूप में नजर आनी चाहिए।

- 22 जनवरी के महाआयोजन जैसा ही 30 दिसंबर को दिखेगा नजारा
- 30 दिसंबर को पीएम का अयोध्या दौरा, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का होगा उद्घाटन
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश, फूलों से सजाई जाए अयोध्या
- एक हफ्ते में सड़कों पर पूरा कर लिया जाएगा लाइट और फसाड का काम
- एयरपोर्ट से नयाघाट और सुल्तानपुर से एयरपोर्ट मार्ग का भी होगा डेकोरेशन

सड़क से लेकर फुटपाथ तक चमकाने के निर्देश

प्रधानमंत्री मोदी के आगामी अयोध्या दौरे को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ग्रैंड रिहर्सल के रूप में आयोजित किया जा रहा है। हाईवे से नया घाट की तरफ आ रहे धर्म पथ की भी सजावट आकर्षक हो रही और एयरपोर्ट से नयाघाट के मार्ग को उसी प्रकार आकर्षक फूलों से सजाया जाय जिस प्रकार सुल्तानपुर रोड से एयरपोर्ट फोरलेन मार्ग को सजाया गया है। मुज्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ-गोरखपुर में अयोध्या बाईपास की रेलिंग को आकर्षक रंगों से पेंट किया जाय तथा उसकी मीडियन में आकर्षक फूल व गमले आदि रखे जाएं। एनएचआई बाईपास मार्ग के डिवाइडर पर जो सजावट की जा रही है उनमें बेहतर शाइनिंग दिखाई आनी चाहिए। अयोध्या में कही भी सड़कों पर धूल तथा गन्दगी नहीं दिखनी चाहिए। अयोध्या में प्रधानमंत्री का स्वागत पुष्पवर्षा करके किया जाए। अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर शहर के अन्य विभिन्न स्थानों पर गेट बनाये जाएं तथा उन्हें बेहतर ढंग से सजाने की व्यवस्था की जाए।

मिडिल क्लास को भी मिलेगा फ्री हेल्थ इंश्योरेंस?

2024 का लोकसभा चुनाव करीब है. फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया जाना है. इससे पहले हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर टेंशन में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर आई है. जी हां, केंद्र सरकार आयुष्मान योजना को विस्तार देने जा रही है. 'भास्कर' की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सरकार आयुष्मान योजना के तहत इलाज खर्च की सीमा दोगुनी कर 10 लाख रुपये करने की सोच रही है. अगर ऐसा होता है तो इस फैसले का असर व्यापक होगा. देश में करीब 41 करोड़ लोगों के पास कोई हेल्थ बीमा नहीं है.

सरकार का पूरा प्लान समझिए

रिपोर्ट के मुताबिक इलाज के लिए मिलने वाली 5 लाख रुपये की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जा सकता है.इस स्कीम के दायरे में उन करीब 41 करोड़ लोगों को भी शामिल किया जा सकता है जिनके पास अभी स्वास्थ्य बीमा नहीं है.फिलहाल आयुष्मान योजना के तहत कुल 60 करोड़ लोगों को लाने का लक्ष्य है, जो पूरा होना बाकी है.

मिडिल क्लास की बल्ले-बल्ले!

भाजपा ने कुछ हफ्ते पहले छत्तीसगढ़ चुनाव के समय हेल्थ बीमा 10 लाख रुपये करने का वादा भी किया था. अब 'मोदी की गारंटी' के तहत ऐसा राष्ट्रीय स्तर पर किया जा सकता है. हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि इसे चुनाव के समय पेश किया जाएगा या पहले बजट में लाया जाएगा. खास बात यह है कि मुफ्त इलाज की स्कीम में गरीबी रेखा के ऊपर वाले मिडिल क्लास के परिवारों को भी शामिल किया जा सकता है. बची आबादी यानी उच्च मध्यम वर्ग को न्यूनतम प्रीमियम के माध्यम से कवर किया जा सकता है. अगर ऐसा होता है तो अमेरिका समेत पश्चिमी देशों में पूरी आबादी के लिए जिस सोशल सिक्योरिटी की बातें होती हैं, वैसा ही कुछ भारत में भी देखने को मिल सकता है.

वजह भी जान लीजिए

एक संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि सरकार इलाज का खर्च बढ़ाने पर गंभीरता से सोचे. ऐसे में माना जा रहा है कि अंतरिम बजट में इसको लेकर बड़ी घोषणा हो सकती है. आयुष्मान योजना की समीक्षा में यह बात पता चली है कि कई मामलों में 5 लाख रुपये की लिमिट पर्याप्त नहीं होती है. कुछ बड़ी सर्जरी और इलाज में खर्च काफी ज्यादा होता है. कुछ मुश्किल सर्जरी अभी इसके दायरे में भी नहीं है. समिति ने कहा है कि मिडिल क्लास के परिवार के सामने बीमारी की चपेट में आने के बाद गरीबी रेखा के नीचे जाने का जोखिम बना रहता है.

देश की सबसे बड़ी मस्जिद अयोध्या में बनेगी

भाजपा नेता और मस्जिद मुहम्मद बिन अब्दुल्ला विकास समिति के अध्यक्ष ने गुरुवार को कहा कि अयोध्या के धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन पर बनने वाली मस्जिद ताज महल से भी बेहतर होगी। हाजी अरफात शेख ने आगामी मस्जिद की प्रमुख विशेषताओं और विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जो राम मंदिर से केवल 25 किमी दूर बनाई जाएगी।सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 9 नवंबर को अयोध्या में विवादित राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। केंद्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड को वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने अयोध्या के धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन आवंटित की। हाजी अरफात शेख ने कहा कि नई मस्जिद, जो भारत में सबसे बड़ी होगी, केसर रंग में दुनिया की सबसे बड़ी कुरान होगी, जिसकी ऊंचाई 21 फीट और चौड़ाई 36 फीट होगी। मस्जिद में पहली नमाज मक्का के इमाम इमाम-ए-हरम अब्दुल रहमान ऐ-सुदैस अदा करेंगे।

केरल के बाद अब दिल्ली-एनसीआर में भी कोरोना वायरस की एंट्री, मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग कर दीजिए शुरू

केरल के बाद अब दिल्ली-एनसीआर में भी कोरोना वायरस की एंट्री हो गई है. गाजियाबाद जिले के शास्त्रीनगर इलाके में एक मरीज को कोरोना होने की पुष्टि हुई है. कोरोना का मामला सामने आने के बाद अब हड़कंप मचा है. स्वास्थ्य विभाग ने ऐहतियात बरतते हुए

अब परिवार के सभी सदस्यों की जांच करवाने का फैसला किया है. इसके लिए परिवार के लोगों के सैंपल लेकर उनकी जीनोम सीक्वेंसिंग करवाई जाएगी. बताया जा रहा है कि कोरोना मरीज की दुबई की ट्रैवल हिस्ट्री हैं. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि मरीज में कोरोना वायरस दुबई से ही आया है.

बताते चलें कि दुनिया में तेजी से फैल रहे कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 ने लोगों की की चिंता बढ़ा दी है. सिंगापुर में इस वेरिएंट के 56 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं. भारत में भी अब तक 614 लोगों में यह वेरिएंट पाया गया है. बुधवार को 21 लोगों में यह वेरिएंट डिटेक्ट किया गया. अब उनके और परिवारों के सैंपल लेकर जीनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है. सबसे ज्यादा मामले गोवा में सामने आए हैं. वहां पर कोरोना के नए वेरिएंट से पीड़ित 19 मरीज मिले हैं. जबकि केरेल और महाराष्ट्र में 1-1 केस दर्ज किया गया है.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कोरोना के मामलों की स्थिति जानने के लिए आज अधिकारियों के साथ बैठक की. इस बैठक में देश में कोरोना के मामलों और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा की गई. उन्होंने राज्य सरकारों को एडवाइजरी जारी कर कोविड के बेहतरीन मैनेजमेंट के लिए केंद्र- राज्यों में समन्वय को बेहतर करने को कहा. उन्होंने सलाह दी कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर हर 3 महीने में एक बार मॉक ड्रिल जरूर करनी चाहिए, जिससे हालात बिगड़ने पर तुरंत साझा तरीके से एक्शन लिया जा सके.

बैठक में देश में कोरोना मामलों पर प्रेजेंटेशन दे रहे स्वास्थ्य सचिव सुधांशु पंत ने कहा कि दुनिया की कोरोना दर के मुकाबले भारत में इन केस की संख्या बहुत कम है. हालांकि पिछले 2 हफ्ते में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या में अचानक तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है. देश में 6 दिसंबर को जहां कोरोना के मामले 115 थे, वहीं 20 दिसंबर को यह बढ़कर 614 हो गए. इस दौरान पीड़ित मरीजों में हल्के लक्षण देखे गए हैं और उन्हें घरों पर होम आइसोलेशन में रहकर बचाव करने के निर्देश दिए गए हैं.

करंट लगाकर पत्नी ने पति की हत्या की

आगरा में एक महिला ने अपने पति की कथित रूप से करंट लगाकर हत्या कर दी और शव को दो दिन तक घर में बंद रखा, बाद में दुर्गंध आने पर खुद थाने पहुंचकर उसने पुलिस को कत्ल की जानकारी दी।

सदर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान नीरज के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि नगला काछियान में नीरज कुशवाहा अपनी पत्नी प्रीति और दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहता था। वह आगरा कैंट स्टेशन पर वेंडर का काम करता था।पुलिस ने आरोपी महिला के हवाले से बताया कि नीरज शराब पीने का आदी था और प्रीति को रोज परेशान करता था जिससे तंग आकर उसने अपने पति के पैर में बिजली के तार बांध दिए और करंट लगा दिया।

अधिकारी ने बताया कि करंट लगने से नीरज की मौत हो गई और महिला ने दो दिन तक शव को कमरे में बंद रखा। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह शव से दुर्गंध आने लगी तो प्रीति ने कमरे को ताला लगाया और चाबी लेकर थाने पहुंच गई जहां उसने बताया कि उसने अपने पति की हत्या कर दी है। इस संबंध में थाना सदर प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और प्रीति कुशवाहा को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने हत्या की वजह घरेलू कलह बताया है।

यूपी में लिया गया बड़ा फैसला, बच्चों से दुखी हुए बुजुर्ग, तो कर सकेंगे घर से बेदखल

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने बुजुर्गों के लिए बड़ा अहम फैसला लेते हुए घर की बागडोर उनके हाथों में सौंप दी है। राज्य के समाज कल्याण विभाग ने नया मसौदा पेश किया है, जिसके जरिए बुजुर्गों या वरिष्ठ नागरिकों को नए अधिकार मिल सकते है। ये अधिकार बेहद महत्वपूर्ण है, जिससे बुजुर्गों को ढलती उम्र में दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर ना होना पड़े।

अगर योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में इस मसौदे को मंजूरी मिल जाती है तो जो बुजुर्ग अपने बच्चों से नाखुश हैं, वो पुलिस की सहायता लेकर अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल करने का अधिकार रख सकेंगे। ये प्रस्ताव माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 के राज्य नियमों में उत्तरप्रदेश विधि आयोग द्वारा सुझाए गए संशोधनों पर आधारित है। बुजुर्गों के लिए बनाए गए इस अधिनियम में साफ किया गया है कि बच्चों या रिश्तेदारों को वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण करना होगा। बच्चों या रिश्तेदारों का दायित्व है कि बुजुर्गों की जरुरतों को पूरा किया जाए। बुजुर्गों को भी सामान्य जीवन जीने का अधिकार ये अधिनियम देता है।

बता दें कि राज्य सरकारों के पास अधिनियम को लागू करने के लिए नियम बनाने और न्यायाधिकरण बनाने का अधिकार है। राज्य ने इस संबंध में 2014 में अधिकार और नियम बनाए थे। जानकारी के मुताबिक अप्रैल 2021 में यूपीएसएलसी ने अधिनियम के नियम संख्या 22 को बदलने की सिफारिश की है। ये जिला मजिस्ट्रेट डीएम को अधिनियम के कर्तव्यों और शक्तियों को पूरा करने के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारी को नियुक्त करने की भी शक्ति देता है।

इस संबंध में समाज कल्याण विभाग को आयोग से भी कई सिफारिशें मिली थी जिसके बाद मसौदा तैयार किया गया था, जिसे अब कैबिनेट में पेश किया गया है। इससे पहले भी दो महीने पहले इस मसौदे को कैबिनेट में किया जा चुका है।

रणवीर की एनिमल से लेकर विक्की की सैम बहादुर तक

2024 में रिलीज होने वाली 6 सर्वाधिक प्रतीक्षित ओटीटी फिल्में- बॉलीवुड ने दर्शकों को 2023 के आखिरी कुछ महीनों में समीक्षकों और आर्थिक रूप से कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्में दी हैं। फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं ने स्क्रिप्ट और भूमिकाओं के साथ प्रयोग किया और दर्शकों को विभिन्न अवधारणाओं से प्रभावित किया। बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों। दर्शकों को 2024 में भी हिंदी सिनेमा से काफी उम्मीदें हैं। जैसे-जैसे 2023 खत्म होने वाला है, उन बहुप्रतीक्षित फिल्मों पर एक नज़र डालें जो अगले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होंगी।

एनिमल- एनिमल एक पिता-पुत्र के रिश्ते की गतिशीलता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो खट्टा और जुनूनी होने लगती है क्योंकि बेटा उन लोगों से बदला लेने का फैसला करता है जिन्होंने उसके पिता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म कथित तौर पर 26 जनवरी, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी।

सैम बहादुर- सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है और कैसे उनके करियर ने भारत की भू-राजनीतिक सीमाओं को आकार दिया। फिल्म में फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा के साथ विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 26 जनवरी 2024 को जी5 पर रिलीज होगी।

टाइगर 3- टाइगर 3 में सलमान खान और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिकाओं में हैं और इमरान हाशमी मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। रेवती, आशुतोष राणा, रणवीर शौरी, रिद्धि डोगरा और विशाल जेठवा अहम भूमिका में नजर आये थे। यह फिल्म कथित तौर पर नए साल 2024 के आसपास प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

दो पत्ती- दो पत्ती में कृति सैनन और काजोल मुख्य भूमिका में हैं और यह कृति के अपने प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के तहत निर्मित है। यह फिल्म कथित तौर पर उत्तर भारत पर आधारित एक सस्पेंस थ्रिलर है और इसमें बहुत सारे रहस्य और साज़िश होने का वादा किया गया है। यह फिल्म 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

अमर सिंह चमकीला- अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं और यह 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित, फिल्म मोहित चौधरी, सेलेक्ट मीडिया होल्डिंग्स एलएलपी, सारेगामा और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। यह दिवंगत पंजाबी गायक अमर सिंह चमकिला के जीवन पर आधारित है, जिन्हें पंजाब का एल्विस भी कहा जाता है।

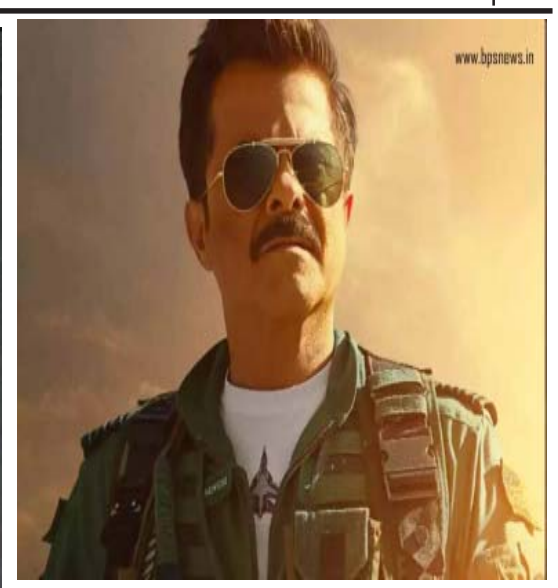

पिता ने अनिल कपूर की नहीं की कोई मदद, मेरे अंदर भर गई थी कड़वाहट

अनिल कपूर का हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक का शानदार सफर रहा है. 66 साल की उम्र में भी अनिल कपूर फिल्मों में काफी सक्रिय हैं. उन्हें फिल्मों में अभी भी एक से एक शानदार रोल मिलते हैं और वह उन्हें बखूबी निभाते भी हैं. अनिल कपूर आज जिस मुकाम पर पहुंच गए हैं, वह किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. लेकिन मशहूर निर्माता सुरिंदर कपूर के बेटे होने के बावजूद अनिल कपूर के शुरुआती साल आसान नहीं थे. अनिल कपूर ने हाल ही में बताया कि उनके पिता ने यह साफतौर पर कह दिया था कि उन्हें इस इंडस्ट्री में बिना उनकी मदद के अपना रास्ता खुद ही बनाना होगा.

अनिल कपूर ने खुलासा किया कि एक स्टार किड होने के बावजूद उनकी यात्रा चुनौतीपूर्ण थी. हाल ही में मिड डे को दिए इंटरव्यू में अनिल कपूर ने अपने पिता सुरिंदर कपूर को याद किया, जिनका 2011 में निधन हो गया था. अपने पिता को एक ईमानदार, सभ्य और अंतर्मुखी व्यक्ति बताते हुए अनिल कपूर ने इस बात पर जोर दिया कि वह रूढ़िवादी, फिल्मी या आक्रामक नहीं थे.अनिल कपूर ने साझा किया कि उनके पिता ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वह उनके करियर को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं कर सकते. और दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता ने कभी भी इस तरह की सहायता प्राप्त करने की उम्मीद नहीं की थी. उनके पिता की इस बात ने अनिल कपूर को अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने के लिए प्रेरित किया. अनिल कपूर ने अपने पिता की इस बात के बाद यह महसूस किया कि अब समय आ गया है कि वह फिल्म इंडस्ट्री में स्वतंत्र रूप से काम करें और इसकी चुनौतियों का डटकर सामना करें.

हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में अनिल कपूर की यात्रा उतनी सहज नहीं थी जितनी कोई उम्मीद कर सकता था. अवसरों की कमी ने उन पर काफी असर डाला, क्योंकि वह बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाना चाहते थे. उन्होंने बताया, 卐यह थका देने वाला था, निराशाजनक था. मैं बदतर दिखता था, मुझे बुरा महसूस होता था. मैं अपने दोस्तों के साथ बैठता था और रम पीता था. मेरे अंदर कड़वाहट भर गई थी. हालांकि, उन्होंने उस हताशा और कड़वाहट को अपने काम में शामिल कर लिया था. आवारगी और मशाल जैसी फिल्में उनकी दबी हुई भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम बन गईं.

अनिल कपूर ने तेलुगु फिल्म 'वामसा वृक्षम' से अपने अभिनय का सफर शुरू किया. हालांकि, इससे पहले उन्होंने हिंदी फिल्म 'हमारे तुम्हारे' में एक छोटी भूमिका निभाई थी. हालांकि, अनिल कपूर को असली पहचान 1983 की फिल्म 'वो सात दिन' से मिली. इसके बाद से अनिल कपूर ने ना जाने कितनी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे दी हैं, जिनका सफर अभी तक रुका नहीं है. अभिनेता वर्तमान में संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित हिट फिल्म 'एनिमल' के साथ अपनी हालिया सफलता का आनंद ले रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल जैसे कई सितारे शामिल हैं.

अनिल कपूर अपने अगले प्रोजेक्ट, सिद्धार्थ आनंद की 'फाइटर' में नजर आएंगे. इस फिल्म में अनिल कपूर के साथ दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन भी हैं.यह फिल्म 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में अनिल कपूर ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह के किरदार में हैं, जिन्हें कॉल साइन रॉकी के नाम से जाना जाता है.

रोहित शर्मा की कप्तानी हार्दिक पंड्या को दिए जाने पर जयवर्धने का बयान

वो मुंबई इंडियंस की विरासत का हिस्सा रहेंगे

मुंबई इंडियंस के वैश्विक क्रिकेट प्रमुख महेला जयवर्धने ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाने का फैसला कठिन था लेकिन भविष्य को देखते हुए यह जरूरी भी था। पंड्या बतौर कप्तान मुंबई टीम में लौटे हैं जिसकी टीम के प्रशंसकों ने काफी आलोचना की है।

जयवर्धने ने जियो सिनेमा से कहा ,'' यह कठिन फैसला था। यह जज्बाती फैसला था। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया आना लाजमी है। लेकिन टीम को ऐसे फैसले लेने होते हैं।'' श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने कहा कि सार्थक बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा ,'' हम हमेशा खिताब के लिये खेलना चाहते हैं। अपनी विरासत तैयार करना चाहते हैं। लोगों को लग रहा होगा कि हमने जल्दबाजी की है लेकिन हमें यह फैसला लेना ही था।''

जयवर्धने ने कहा ,'' हार्दिक काफी समय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहा है। इसमें कुछ नया नहीं है। हमें पता है कि वह क्या कर सकता है। यह गुजरात टाइटंस की कप्तानी से अलग अनुभव होगा। उसके लिये यह उस अनुभव के आधार पर आगे बढने का मौका है।'' उन्होंने कहा ,'' रोहित का अगली पीढी को मार्गदर्शन देने के लिये टीम में होना काफी महत्वपूर्ण है। वह शानदार कप्तान रहा है। मैने उसके साथ करीब से काम किया है। वह मुंबई इंडियंस की विरासत का हिस्सा है।'जयवर्धने ने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण दिया जिन्होंने मुंबई इंडियंस की कप्तानी छोड़कर सीनियर बल्लेबाज के रूप में खेला और युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शक रहे। उन्होंने कहा ,'' सचिन ने युवाओं के साथ खेला। उन्होंने किसी और को कप्तानी सौंपी और यह सुनिश्चित किया कि मुंबई इंडियंस सही दिशा में जा रही है। यह उसी तरह है।

Tiger x Review:-

सलमान का स्वैग है बेमिसाल

कैसी है कलाकारों की कलाकारी?

एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है और अब जब तक टाइगर मारा नहीं, तब-तक टाइगर हारा नहीं%। सलमान खान की टाइगर 3 दिवाली पर पूरे धूम-धड़ाके के साथ सिनेमाघरों में आ चुकी है। बहुत लंबे समय से, प्रशंसकों ने फिल्म का इंतजार किया है, जिसमें भाईजान के साथ अद्भुत एक्शन दृश्य और स्टंट हैं जो निस्संदेह आपको सीटियां बजाने पर मजबूर कर देंगे। हालाँकि, कैटरीना कैफ की एक्टिंग भी आपको झकझोर कर रख देगी। अगर आप भी इस फिल्म को देखने का इरादा रखते हैं तो आपको पहले हमारा रिव्यू पढ़ना चाहिए।टाइगर 3 की कहानी तीन किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। पहला है देशभक्त टाइगर (सलमान खान), दूसरा है पाकिस्तान की पूर्व आईएसआई एजेंट जोया (कैटरीना कैफ), जो अपने देश के प्रति वफादार है और तीसरा वह व्यक्ति है जो एक सैन्य अधिकारी के रूप में देश के साथ गद्दारी करके गद्दार बन जाता है। चीन ने पाकिस्तान को जो मिसाइल कोड दिया है, उसे हासिल करने के लिए उसने देश को धोखा दिया। ये धोखेबाज शख्स कोई और नहीं बल्कि आतिश रहमान (इमरान हाशमी) है, जो किसी भी कीमत पर उस मिसाइल का कोड चाहता है। इसे हासिल करने के लिए वह जोया से मदद मांगता है।वहीं, फिल्म में कुछ ऐसा होता है कि टाइगर को आरोपों से बचते हुए देशद्रोही कहलाना पड़ता है। अब ये पहलू पांच देशों से जुड़े हुए हैं - भारत, पाकिस्तान, तुर्की, रूस और ऑस्ट्रिया, जिसका मतलब है कि यह एक फिल्म इन सभी स्थानों की पड़ताल करती है। क्या टाइगर खुद को निर्दोष साबित कर पाएगा? क्या वह अपने ससुराल में लोकतंत्र

परफॉर्मेंस की बात करें तो सलमान खान ने अपने एक्शन और स्वैग से लोगों का दिल जीत लिया है।

इसका सबूत दिवाली के दिन सुबह के शो में उनकी एंट्री पर लोगों की सीटियां हैं। कैटरीना कैफ ने एक्शन सीन्स के जरिए ये साबित कर दिया है कि अगर एक्ट्रेस चाहे तो कुछ भी कर सकती है। इमरान हाशमी फिल्म का मजबूत पक्ष हैं। उन्होंने अपने किरदार में जान डाल दी है। उन्हें विलेन के किरदार में देखना एक अलग अनुभव है। उनकी भूमिका काफी आशाजनक है। उनकी डायलॉग डिलीवरी से लेकर उनके नेगेटिव लुक तक सब कुछ अच्छा है। वह अपने किरदार से प्रभावित कर रहे हैं। कुमुद मिश्रा, विशाल जेठवा, रिद्धि डोगरा, रेवती और रणवीर शौरी जैसे कलाकारों ने अपने किरदारों से फिल्म को और दिलचस्प बना दिया है।सलमान खान की टाइगर 3 ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर है। सलमान का अनोखा और दमदार अंदाज कहानी को दिलचस्प बनाता है। आपको भी ये फिल्म जरूर देखनी चाहिए, सलमान का एक्शन सीक्वेंस देखकर यकीनन आप भी चौंक जाएंगे। कुल मिलाकर यह फिल्म मनोरंजन, एक्शन और देशभक्ति से भरपूर है।

इस्लामिक आक्रमण और शरणार्थी संकट

किन देशों में कितनी मुस्लिम आबादी

फ्रांस और जर्मनी मुस्लिम आबादी के मामले में काफी ऊपर हैं। साल 2016 में फ्रांसीसी मुस्लिमों की आबादी 57 लाख पार कर चुकी है। जर्मनी में 49 लाख मुस्लिम बसे हैं। यूनाइटेड किंगडम, इटली, नीदरलैंड, स्पेन, बेल्जियम, स्वीडन जैसे देश इनके बाद हैं। यूरोपियन यूनियन के तहत आने वाले साइप्रस में कुल आबादी का करीब 26 मुस्लिम ही हैं।

किस देश में हैं सबसे ज्यादा शरणार्थी

फिलहाल जर्मनी में सबसे ज्यादा शरणार्थी हैं। साल 2022 की शुरुआत में उसने 1.2 मिलियन शरणार्थियों को होस्ट किया। इसकी संख्या साल 2023 में दोगुनी हो गई। वहां रहते लोगों में लगभग नौ लाख यूक्रेनियन हैं, जबकि लगभग पौने 7 लाख लोग सीरिया से आए हैं। इनके अलावा अफगानिस्तान, इराक और मीडिय ईस्ट के दूसरे देशों से भी शरणार्थी यहां रह रहे हैं।

यूरोपीय लोग भारत में हिंदू-मुस्लिम संबंधों से क्या सीख सकते हैं ?

भारतीय धर्मनिरपेक्षता की तरह, बहुसंस्कृतिवाद यह निर्धारित करता है कि बहुसंख्यकों को अन्य तरीकों के बजाय अल्पसंख्यकों को समायोजित करना चाहिए। भारतीय धर्मनिरपेक्षतावादियों की तरह, यूरोपीय उदारवादियों को अल्पसंख्यकों के साथ गठबंधन निर्माण में शामिल होने का प्रलोभन दिया जाता है.

यूरोप में मुस्लिम आबादी के बारे में 5 महत्वपूर्ण बिंदु:

- यूरोप में फ्रांस और जर्मनी में ही सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है।
- यूरोप की कुल आबादी में मुस्लिम हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और आने वाले दशकों में भी बढ़ती रहेगी।
- मुसलमान अन्य यूरोपीय लोगों की तुलना में बहुत छोटे हैं और उनके अधिक बच्चे हैं।
- 2010 के मध्य और 2016 के मध्य के बीच, प्रवासन यूरोप में मुस्लिम आबादी की वृद्धि का सबसे बड़ा कारक था।
- यूरोपीय देशों में मुसलमानों के बारे में विचार व्यापक रूप से भिन्न हैं। पूर्वी और दक्षिणी यूरोप में मुसलमानों के बारे में नकारात्मक विचार प्रचलित हैं हालाँकि, यूके, जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नीदरलैंड में अधिकांश लोग मुसलमानों के पक्ष में हैं।

आईआईटी-कानपुर की शोध टीम की सदस्य ने की आत्महत्या, दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा

बीपीएस न्यूज

कानपुर में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की शोध टीम की 34 वर्षीय सदस्य ने मंगलवार को छात्रावास की दूसरी मंजिल के अपने कमरे में छत के पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ओडिशा के कटक की रहने वाली पल्लवी चिल्का के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि मामला तब सामने आया जब दोपहर में सफाई कर्मचारियों ने चिल्का का दरवाजा खटखटाया और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।पुलिस के अनुसार सफाई कर्मचारी ने दोपहर में कमरे के दरवाजे पर दस्तक दी और अंदर झांकने पर उसे पंखे से लटका हुआ पाया, इसके बाद उसने अधिकारियों को सूचित किया।कल्याणपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) धनंजय पांडे ने पत्रकारों को बताया कि आत्महत्या की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम तुरंत आईआईटी परिसर में पहुंचीं और मामले की जांच शुरू की।एसएचओ ने बताया कि पुलिस दरवाजा तोड़कर छात्रावास के कमरे में दाखिल हुई और शव को नीचे उतारा। पांडेय ने कहा कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे अवसाद का कारण बताया गया है।उन्होंने कहा कि पीड़िता के परिजनों के आने के बाद बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया गया है। एसएचओ ने बताया कि पल्लवीतीन दिन पहले ही आरए छात्रावास में शिफ्ट हुई थीं। इससे पहले वह एक निजी किराये के मकान में रह रही थीं।संस्थान ने एक प्रेस बयान में पल्लवीके असामयिक और दुर्भाग्यपूर्ण निधन पर दुख व्यक्त किया। बयान में कहा गया है कि पल्लवी के निधन के साथ संस्थान ने एक प्रतिभाशाली और होनहार युवा शोधकर्ता खो दी।

मंडी शुल्क व विकास शुल्क मुक्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर । श्री अन्न में देश के 25 राज्यों में मंडी शुल्क व विकास शुलक मुक्त करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन ई मेल से पीएम तथा केंद्रीय कृषि मंत्री को भेजने के उपरांत कोपरगंज कार्यालय के बाहर एकत्र भारतीय कृशि उत्पाद उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, महानगर अध्यक्ष गुरूजिन्दर सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों ने एकत्र होकर तथा ज्ञापन की प्रतिलिपि हाथ में लेकर अपनी मांगो को लेकर आवाज उठाई।ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हुए कहा गया कि अन्न मिलेट्स में उप्र में मंडी शुल्क सबसे अधिक 1,5 प्रतिशत है जबकि एमपी में 1,2, पंजाब में 1,1 और इसी प्रकार अन्य राज्यों में है। इसी तरह देश के कुल 25 राज्यों में मंडी अधिनियम या एपीएमसी एक्ट लागू है। इन सभी राज्यों में मंडी शुल्क की श्री अन्न में अलग अलग दरें है, जबकि बिहार व दिल्ली में किसी भी कृषि उत्पाद में कोई मंडी शुल्क नही है। कहा कि आपके प्रयास व प्रेरणा से संयुक्त राष्ट्र के आवाहन पर भारत सहित 72 देश वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेटस ईयर के रूप में मना रहे है, दूसरी तरफ देश में श्री अन्न के व्यापार व उधोग में बाधा के रूप में मंड अधिनियम के तहतत मंडी शुल्क सति इससे जुडे कई कागजों की प्रक्रिया लागू है जिसे समाप्त होना चाहिये। व्यापार व उधोग को बढावा देने के लिए इज ऑफिस डुइंग बिजनेस की अवधारणा के तहत पूरे देश में मंडी अधिनियम या एपीएमसी एक्ट के तहत मंडी शुलक व इससे सम्बन्धित कागजों की प्रक्रिया को समाप्त होना चाहिऐ। कहा हमारी मांग है कि श्री अन्न के व्यापार व उधोग को सरल करकके इसको बाधा रहित करने के लिए पूरे देश में श्री अन्न मिलेट्स में मुंडी शुलक व इससे जुडे विकास शुक्ल को पूर्णतया समाप्त करने की कृपा करें।

हैलट अस्पताल के सुरक्षा गार्ड ने जड़ा टैक्नीशियन को थप्पड़

बीपीएस न्यूज कानपुर।हैलट अस्पताल में आये दिन कभी कर्मचारियों तो कभी जूनियर डाक्टरो तो कभी सुरक्षागार्डो द्वारा तीमारदारों के साथ अभद्र व्यवहार की घटनाये सामने आती रहती है, लेकिन इस बाद सुरक्षा गार्ड ने एक टेक्नीशियन को ही थप्पड जड दिया, जिसके बाद बवाल मच गया हैलट अस्पताल में एक सुरक्षा गार्ड के द्वारा एक टेक्नीशियन को थप्पड मारने की घटना सामने आई है। बताया जाता है कि टेक्नीशियन को थप्पड मारने की घटना के बाद हंगामा खडा हो गया और हैलट अस्पताल के सभी कर्मचारी एसआईसी गेट के बाहर एकत्र होकर थप्पड मारनेव ाले सुरक्षा गार्ड पर कार्यवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। यह पहली बार नही है कि हैलट में एसी घटना हुई है। यहां तीमारदारों को साथ आये दिन इसी प्रकार का अभद्र व्यवहार होता है और विरोध करने पर तीमारदारों की धुनाई भी कर दी जाती है। हैलट प्रशासन द्वारा अभी तक एसी घटना दुबारा न हो इसका महज आश्वासन ही दिया जाता है लेकिन यहां के कर्मचारी और डाक्टरों पर अपने सीनियरों का कोई प्रभावन नही दिखता है।

ठंड, कोहरे व शीतलहर की चपेट में कानपुर, धूप बेअसर

पहाड़ो पर हो रही वर्षा, बर्फबारी व पश्चिमी विक्षोभ का दिखने लगा प्रभाव

बीपीएस न्यूज

कानपुर । पहाड़ो पर हो रही वर्ष, बर्फबारी के साथ ही पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव अब कानपुर में पड़ने लगा है। तेज बहन वाली हवाओँ ने ठंड बढ़ा दी है। कानपुर सहित पूरे उत्तर भारत मे शीतलहर चल रही है। मंगलवार की रात में पारा 10 डिग्री सेल्सियस डॉज किया गया, जो देर रात और नीचे पहुच गया।आने वाले 3-4 दिनों में नगरवासियों को भीषण ढंड का सामना करना पड़ सकता है। पहाड़ो पर लगातार वर्ष और बर्फबारी जारी है, इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ तथा बहने वाली शीतलहर का प्रभाव कानपुर सहित पूरे उत्तर भारत मे पड़ने लगा है। मंगलवार की सुबह आसमान में हल्के बदलो के कारण धूप देर से निकली, वहीं सुबह से लगभग 15 किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली ठंडी हवाओं ने लोगो के सिरहन पैदा कर दी। ठंडी हवाओं ने धूप की तपिश को कम कर दिया। घरों तथा ऑफिसो के बाहर जलकी धूप सेकते नज़र आये। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में शीतलहर केसाथ ही तापमान में और गिरावट आएगी, हल्की बारिश की संभावना भी व्यक्त की गई है।

बदहाल अवस्था में स्टेशन मार्ग, संकट में यात्रियों की जान

जी टी रोड़ से स्टेशन जाने वाले मार्ग पर दर्जनों गड्ढे एवं ऊबड़ खाबड सड़क अतिक्रमण भी बना बड़ा संकट, आये दिन होते रहते हादसे

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कुछ दिन पहले ही अधिकारियों के साथ हुई बैठक में नगर आयुक्त द्वारा सख्त चेतावनी देते हुए कहा गया था, कि नगर की क्षतिग्रस्त सड़को का सात दिन के अंदर पैचवर्क किया जाय,बावजूद इसके विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के कानों में जूं नही रेंग रही है। टाटमिल की पा जीटी रोड से स्टेशन जाने वाली रोड पर काफी समय से बदहाल है। यहां पूरे मार्ग पर गड्ढे हैं, टी वही सड़क भी उबड़ खाबड़ स्थिति में है। इसके बाद अतिक्रमण ही इस मार्ग की बड़ी समस्या है।यहाँ से प्रतिदिन हजारों यात्री अपने गंतव्य की जाने के लिए निजी अथवा अन्य साधनों से गुजरते हैं। स्थानीय लोगो की माने तो काफी समय से रॉड की दुर्दशा है, लेकिन रॉड बनने की बात तो दूर पैचवर्क का काम तक नही किया गया है।

बतादें की कानपुर सेंट्रल स्टेशन की एक साइड शहर और दूसरी सेड कैंट सेड कहलाती है। कैंट साइड पहुचने के लिए जीटी रोड से रास्ता है। यह वो रास्ता है जो बस स्टॉप से नजदीक है और सुगम है, इसके साथ ही रामादेवी, किदवईनगर, नौबस्ता की तरफ से आने वाले यात्रियों का मुख्य मार्ग है, लेकिन इस मार्ग की दुर्दशा का जोखिम यात्रियों को उठाना पड़ रहा है।इस सड़क पर जहाँ जगह जगह गड्ढे हैं, तो वही सड़क भी उबड़ खाबड़ है, सवारी वाहन आये दिन इस रोड पर दुर्घटना ग्रस्त होते रहते है, ये हालत तब है जब ये स्टेशन जाने का मुख्य मार्ग है, और नगर आयुक्त शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की बात करते है। इस समस्या के अलावा यहां अतिक्रमण भी बड़ी समस्या है। यात्रियों के वाहन यहाँ लगने वाले जाम में फंस जाते है, जिन्हें स्टेशन पहुचने में विलंब हो जाता है। काफी समय से यहां की व्यवस्था खराब है लेकिन किसी अधिकारी का इस ओर ध्यान नही जा रहा है।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी द्वारा रोडवेज कार्यालय में विशाल प्रदर्शन, दिव्यांगजनों के लिए सिटी बसों में नि:शुल्क यात्रा हुई बहाल

परिचालक ने दिव्यांगों पर बस चढ़ाने की कोशिश करने पर पार्टी महासचिव द्वारा की गयी निन्दा

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के परिवहन निगम की सिटी बसों का चक्का जाम करते हुए फजलगंज रोडवेज कार्यालय पर भारी संख्या में पहुंचे दिव्यांगजनों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान वहां मौजूद अधिकारियों तथा उपस्थित पुलिसकर्मियों से विकलांगों की तीखी नोक-झोक भी हुई। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार व अधिकारियों के बीच हुई बात-चीत सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लि0 के परिवहन प्रबन्धक केके तिवारी ने सभी के कार्ड बनने तक नि:शुल्क यात्रा सुविधा जारी रखने के निर्देश दिए। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों के साथ बसों का चक्का जाम करने के दौरान बस चढाने की कोशिश की गयी थी, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया और दोषी के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की, प्रबन्धक के कार्यवाही के आश्वासन के उपरान्त मामला शांत हुआ। महासचिव वीरेन्द्र ने बताया कि सरकार ने दिव्यांगजनो के लिए परिवहन निगम की बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा के लिए नियमावली बना रखी है, जिसमें स्पष्ट है कि 40 प्रतिशत से 79 प्रतिशत दिव्यांगजन अकेले व 80 से 100प्रतिशत को एक सहायक के साथ नि:शुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाये। नगर बसों में यह सुविधा दी जा रही थी, पिछले तीन महीने से नगर बसों में यह व्यवस्था समाप्त कर दी गयी थी। प्रदर्शन के दौरान अपनन्द तिवारी, राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, कमलेश कुमार सिंह,, गुडडी दीक्षित, वैभव दीक्षित, गौरव कुमार आदि मौजूद रहे।

छत के रास्ते घर में दाखिल होकर चोरों ने मारा लंबा हाथ, सोने-चांदी के जेवर सहित लगभग 90 हजार नकदी की लूट

शिवराजपुर क्षेत्र में लगातार बढता जा रहा चोरो का आतंक

बीपीएस न्यूज

कानपुर । शिवराजपुर क्षेत्र में लगातार चोरो का आतंक बढता जा रहा है और जनता के बीच चोरो और चोरी का भय बढता जा रहा है। पुलिसिया गस्त भी चोरो के इरादों को नही हिला सकी, ऐसे में ग्रामीण अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे है। शिवराजपुर क्षेत्र में एक घर में छत के रास्ते से चोर दाखिल हुए और घर में रखे सोने-चांदी के जेवर के साथ लगभग 90 हजार रू0 की लूट की घटना को अंजाम दिया। मंगलवार की सुबह घर के लोगो को चेरी की घटना की जानकारी हो सकी।

जानकारी के अनुसार शिवराजपुर क्षेत्र के काकूपूर रब्बान

गांव में रहने वाले गोपाल कष्ण व बालकृष्ण के घर पर चोरो ने धावा बोल दिया। गोपाल ने बताया कि सोमवार की रात लगभग साढे नौ बजे घर के सभी सदस्यों ने खाना खाया तथा सभी अपने अपने कमरों में सोने चले गये। सुगह मंगलवार को उन्हे चोरी की घटना की जानकारी हुई। गोपाल ने बताया कि चोर छत पर लगे जिंगले के पास की ईंटो को हटाकर घर में प्रवेश किया। चोरो ने घर में नगर रखे लगभग 90 हजार रूपयों के साथ सोने की आठ चूडी, एक नथनी तथा चांदी की हाफ पेटी व चांदी के दस सिक्को पर हाथ साफ कर दिया। मौके पर सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी। इससे पहले सोमवार को ही देर शाम कस्बे की एक दुकान में एक चोर को चोरी करते हुए पडका गया था और ग्रामीणों ने उस चोर को पुलिस के हवाले कर दिया था। लोगों का कहना है कि पूरे क्षेत्र में चोरो का आतंक है और आये दिन चोर किसी न किसी घर को अपना निशाना बना रहे है।

दो डंपरों की आमने-सामने की जोरदार भिंडत, चालक गंभीर रूप से हुआ घायल

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कोहरा धीरे-धीरे अपना असर दिखा रहा है और रोड पर चलने वालों वाहनों के लिए अब यह घातक होता जायेगा। थाना बिधनू क्षेत्रान्तर्गत शुकवार की सुबह एक मार्ग दुघर्टना में दो डंफर की आमने-सामने की हुई जोरदार टक्कर में डंफर चालक बुरी तरह घायल हो गया, जिसे काफी मशक्कत के बाद डंफर से निकाला जा सका, जिसके बाद उसे सीएचसी पहुंचा गया, जहां से उसे हैलट रिफर कर दिया गया, वहीं क्लीनर का प्राथमिक उपचार यिका गया।जानकारी के अनुसार थाना बिधनू क्षेत्र के कठारा गांव निवासी रमेश सैनी का पुत्र डफंर चालक है। रमेश ने बताया कि षुक्रवार को वह अपने साथी तरगांव निवासी रामचंद्र के साथ डंफर लेकर हमीरपुर की ओर से कानपुर की ओर जा रहा था। बताया कि जैसे वह जहागीराबा बाद स्थित पावर हांउस के पास पहुंचे वहां सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार डंफर से उसकी आमने-सामने की जोरदार भिडंत हो गयी, जिसमें चालक व क्लीनर दोनो ही घायल हो गये। घायल चालक को बमुशिकिल किसी प्रकार गाडी से बाहर निकालकर उसे पतारा सीएचसी भेजा गया जहां से गंभीर अवस्था में उसे हैलट रिफर कर दिया गया तो वहीं घायल क्लीनर का प्राथमिक इलाज करके उसे घर भेज दिया गया। हादसे के बाद सडक के दोरो ओर आने-जाने वाले वहानों की लंबी कतारें लग गयी, लगभग एक घटें बात यातायात नार्मल हो सका।

कृषि विवि के वानिकी व कृषि महाविद्यालय के छात्रों को जागरूक करने के लिए हुआ व्याख्यान

कानपुर। सीएसए में वानिकी एवं कृषि महाविद्यालय के छात्रों को जागरूक करने के उद्देश्य से भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर एसपी सिंह ने एडमिशन आउट रीच एवं ग्रीन बजटिंग तथा एनवायरमेंट अकाउंटिंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। ताकि उच्च शिक्षा में प्रवेश कैसे लिया जाय व पर्यावरण सुरक्षा करते हुए रोजगार का अवसर ढूंढा जाए व आय में वृद्धि की जाए। इस अवसर पर वानिकी महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ मुनीष कुमार ने छात्रों को जागरुक करते हुए बताया कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत 2047 पर देश के युवा किस प्रकार से अपना योगदान दे सकते हैं और हम 2047 में कैसा भारत देखना चाहते है ।इस विषय पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य ने छात्रों को प्रेरित किया कि किस प्रकार से छात्र विकसित भारत की कल्पना को साकार करने में अपनी भूमिका निभायेंगे ।

कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर किया विशाल प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर । भाजपा की मोदी सरकार द्वारा लोकतंत्र पर अप्रत्याशित हमले की कुटिल नीति के तहत दोनो सदनो के 146 सांसदो को निलंबित करने के विरोध मे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन की श्रंखला के अंतर्गत शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर उत्तर, दक्षिण एवं जिला कांग्रेस कमेटी नगर ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान मे अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी व हरिकिशन भारती के नेतृत्व मे कचहरी स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर विशाल प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन से पूर्व भारी संख्या मे

कांग्रेस जन व समर्थक कांग्रेस मुख्यालय तिलक हाल मे एकत्रित होकर जुलूस बनाकर ''लोकतंत्र बचाने निकले हैं , आओ हमारे साथ चलो '', ''संविधान बचाने निकले है,आओ हमारे साथ चलो '' व मोदी तेरी तानाशाही नही चलेगी-नही चलेगी आदि के जोरदार नारो के साथ बड़े चैराहे मे तैनात भारी पुलिस बल द्वारा रोकने व पुलिस के नोजझोंक के बावजूद कचहरी के मुख्य द्वार को कांग्रेसजनो ने जोश खरोश के साथ पार करते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर बड़ी गर्मजोशी के साथ प्रदर्शन किया।प्रदर्शन मे प्रमुख रुप से प्रदेश उपाध्यक्ष/पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी , भूधर नारायण मिश्रा व महिला नेत्री करिश्मा ठाकुर, आलोक मिश्रा, पवन गुप्ता, शंकर दत्त मिश्र, दिलीप शुक्ला, सैमुअल सिंह लकी, डा0 आरके जगत, लल्लन अवस्थी, राजेश गौतम, पिंकू दुबे, डा0 आरए गौतम, कैलाश पाल, मदन गोपाल राखरा, तुफैल अहमद, राजीव द्विवेदी, महेश दीक्षित, श्यामदेव सिंह, नरेश त्रिपाठी, नरेन्द्र चंचल, अतहर नईम, रोशनी चैधरी, दिव्यता बाजपेई, इकबाल अहमद, हाजी मोईनुद्दीन, बाबूराम सोनकर, जियाउर्रहमान अंसारी, राकेश साहू, शाजिद सर, शकील मंसूरी, चन्द्रमणि मिश्र, संतोष गुप्ता, नीरज द्विवेदी, विजय सिंह, सुनील राठौर, रामजी दुबे, रामाश्रय पाल, महेन्द्र भदौरिया, भारत आजाद, चन्द्रशेखर सोनकर, आदि शामिल थे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।